राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 02 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–216 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद भवन के सेंट्रल हॉल में याद किए गए संगमा

नई दिल्ली। राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश ने गुरुवार को लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष पी ए संगमा की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पी ए संगमा द्वारा लिखी गई और उनसे संबंधित संसद ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों की प्रदर्शनी संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में लगाई गई। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विशिष्टजनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित पी ए संगमा के जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भी भेंट की गई। 01 सितंबर 1947, को मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले के चपाहाती गांव में जन्मे संगमा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और राजनीति में आने से पहले वे प्राध्यापक, अधिवक्ता और पत्रकार के रूप में कार्य कर चुके थे। 23 मई 1996 को सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों ने उन्हें सर्वसम्मति से 11वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना। अध्यक्ष के रूप में उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वाद विवाद के उत्तेजना पूर्ण क्षणों के दौरान भी सदस्य नियमों का पालन करें। उनका मानना था कि संसदीय लोकतंत्र का अर्थ है स्वतंत्र वाद विवाद, निष्पक्ष विचार-विमर्श तथा स्वस्थ आलोचना और अध्यक्ष के रूप में उन्हें यह सुनिश्चित करना था कि यह उद्देश्य पूरे हो। लोक सभा में 9 बार निर्वाचित होने के अलावा संगमा ने गृह, वाणिज्य, उद्योग, श्रम, सूचना और प्रसारण और कोयला जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों में केंद्रीय मंत्री का पदभार भी संभाला। संगमा का निधन 4 मार्च 2016 को हो गया।

रक्षा क्षेत्र के लिए 2 सितंबर ऐतिहासिक दिन-प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 2 सितंबर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के भारत के प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री कल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत को देशसेवा में समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री ने गुरुवार को अपने केरल और कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे को लेकर सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि आज और कल क्रमशः केरल और कर्नाटक में कार्यक्रमों में शिरकत करूंगा। इन कार्यक्रमों में शहरी विकास, रक्षा, बंदरगाह, ऊर्जा आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि गतिशील शहर कोच्चि पहुंचने पर वे एक जनसभा को संबोधित करेंगे। उसके बाद उन्हें कलाडी गांव में श्री आदि शंकर जन्मभूमि क्षेत्र के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। शाम को कोच्चि में मेट्रो और रेल से जुड़े कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास करूंगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कल 2 सितंबर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के भारत के प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। पहला स्वदेश निर्मित और निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत चालू किया जाएगा। नए नये नौसेना ध्वज (निशान) का भी अनावरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कल, 2 सितंबर मैं मंगलुरु की अपनी बहनों और भाइयों के बीच रहने की आशा करता हूं। 3800 करोड़ रुपये की प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण या उनकी आधारशिला रखी जाएगी। ये महत्वपूर्ण कार्य मशीनीकरण और औद्योगीकरण से संबंधित हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1-2 सितंबर को कर्नाटक और केरल का दौरा करेंगे। एक सितंबर को छह बजे सायं प्रधानमंत्री कोचीन एयरपोर्ट के निकट स्थित कालडी गांव में आदि शंकराचार्य की पवित्र जन्मस्थली श्री आदि शंकर जन्म भूमि क्षेत्रम् जायेंगे। दो सितंबर को 9:30 बजे प्रधानमंत्री कोच्चि के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत को देशसेवा में समर्पित करेंगे। उसके बाद प्रधानमंत्री 1:30 बजे मंगलुरु में लगभग 3800 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास करेंगे।

इस पोत को घरेलू स्तर पर डिजाइन किया गया और इसे आईएनएस विक्रांत के नाम से एक विमान वाहक पोत के रूप में विकसित किया गया है। इसका डिजाइन भारतीय नौसेना की अपनी संस्था वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है तथा इसका निर्माण पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड कंपनी, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने किया है। विक्रांत का निर्माण अत्याधुनिक स्वचालित विशेषताओं से लैस है और वह भारत के सामुद्रिक इतिहास में अब तक का सबसे विशाल निर्मित पोत है।

प्रधानमंत्री ने गुरुवार को अपने केरल और कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे को लेकर सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि आज और कल क्रमशः केरल और कर्नाटक में कार्यक्रमों में शिरकत करूंगा। इन कार्यक्रमों में शहरी विकास, रक्षा, बंदरगाह, ऊर्जा आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।

यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के जरिये OBC वर्ग को साधने में जुटे शिवपाल, यूपी में तैयार हो रहा है सियासत का नया मोर्चा

नई दिल्ली। यदुकुल पुनर्जागरण मिशन का गठन कर शिवपाल यादव पुराने यादव नेताओं को एक मंच पर ला रहे हैं और इसमें उनका साथ पूर्व सांसद बाहुबली डीपी यादव दे रहे हैं। पार्टी मुख्यालय पर इस मिशन के पहले सम्मेलन की शुरुआत हो गई है, जिसमें आमंत्रित उत्तर प्रदेश के 250 यादव नेता शामिल हो रहे हैं।

यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के अध्यक्ष डीपी यादव ने कहा कि हम लोग यदुकुल समाज के लिए नए संगठन की घोषणा कर रहे हैं जिसका नाम यदुकुल पुनर्जागरण मिशन होगा। यह संगठन सारे ओबीसी समाज के लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करेगा। यह सिर्फ यादव समाज के लिए नहीं बनाया गया है। यह राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसढ़, झारखंड, बिहार राज्यों के लिए बना है। यह संगठन यादव समाज के अन्य संगठनों के प्रतिद्वंद्विता में नहीं है। इसके 10 उद्देश्य हैं

जिसमें से एक सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क़ानून बनवाना होगा।

यदुकुल पुनर्जागरण मिशन का गठन कर शिवपाल यादव पुराने यादव नेताओं को एक मंच पर ला रहे हैं और इसमें उनका साथ पूर्व सांसद बाहुबली डीपी यादव दे रहे हैं। पार्टी मुख्यालय पर इस मिशन के पहले सम्मेलन की शुरुआत हो गई है, जिसमें आमंत्रित उत्तर प्रदेश के 250 यादव नेता शामिल हो रहे हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में शिवपाल सिंह यादव समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरे और विधायक बन गए, लेकिन भतीजे अखिलेश यादव से उनकी अनबन अभी भी बरकरार है

किसानों के प्रति निष्ठुर है केन्द्र सरकार–कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार किसानों के प्रति निष्ठुर है। यह सरकार किसानों से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम किसान) के तहत दिए गए पैसे वापस मांग रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अखिलेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि इस सरकार ने दो करोड़ किसानों को पीएम किसान योजना के तहत प्राप्त राशि को वापस करने के लिए नोटिस दिया है। सिंह ने कहा कि किसान सम्मान निधि अब किसान अपमान निधि बन गई हैं। क्योंकि जो किसानों को नोटिस प्राप्त हुई हैं

उसकी भाषा किसानों को अपमानित करने वाली है। उस नोटिस में लिखा है कि उक्त व्यक्ति गलत तरीके से पैसे हासिल किए हैं। ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि चुनावी लाभ लेने के लिए केन्द्र सरकार ने वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के पहले यह योजना शुरु कर आनन-फानन में किसानों को पैस बांट दिए थे लेकिन अब किसानों से यह पैसा वापस मांगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का किसान पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। इस नोटिस ने किसानों की समस्याओं को और बढ़ा दिया है।

सिंह ने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को लगभग 500 रुपये महीने के आर्थिक लाभ मिल रहे हैं लेकिन अब केन्द्र सरकार ने कुछ नियम बनाकर इस पैसे की वसूली शुरु कर दी है। केन्द्र ने लगभग दो करोड़ किसानों को नोटिस भेजा है और उनसे पैसे वापस करने को कहा है।

बीजेपी की गैरहाजिरी में केजरीवाल सरकार ने दिखाया बहुमत, केजरीवाल ने बताया क्यों 3 कम

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से लाया गया कॉन्फिडेंस मोशन पास हो गया है। बीजेपी विधायकों की गैरहाजिरी में हुई वोटिंग में केजरीवाल के समर्थन में 58 आप विधायक ने वोट किया, जबकि विपक्ष में एक भी मत नहीं आया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप के तीन विधायकों की गैरहाजिरी की वजह भी बताई। दिल्ली विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पास हुआ। मत विभाजन के जरिए पास किया गया प्रस्ताव। विधायकों को खड़ा करके किया गया वोटो की गिनती। 59 विधायक रहे मौजूद। विरोध में जीरो वोट पड़े क्योंकि सदन में विपक्ष मौजूद नहीं था। आप के जो तीन विधायक नहीं थे उसमें एक गोयल विदेश यात्रा पर है जबकि

सत्येंद्र जैन जेल में है। दूसरे विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास एक अन्य विधायक नरेश बाल्यान आस्ट्रेलिया गए है।

बीच आसमान में खराब हुई स्पाइसजेट की फ्लाइट, दिल्ली एयरपोर्ट पर करानी पड़ी लैंडिंग

नई दिल्ली। स्पाइसजेट एयरलाइंस बीते कुछ महीनों से सुर्खियों में है। इस बीच खबर आ रही है कि नासिक जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ान गुरुवार सुबह उड़ान भरने के तुरंत बाद ऑटोपायलट सिस्टम में खराबी के कारण दिल्ली लौट आई। डीजीसीए के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि स्पाइसजेट की उड़ान स्त्र-8363 दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह 6:54 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन ऑटोपायलट में खराबी आने के बाद उसे वापस राष्ट्रीय राजधानी की ओर मोड़ दिया गया। अधिकारी ने बताया कि विमान सुरक्षित दिल्ली पहुंच गया है।

स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा, एक सितंबर, 2022 को स्पाइसजेट B737 विमान दिल्ली से नासिक के लिए उड़ान भरने

वाला था। फ्लाइट क्रू के ऑटोपायलट सिस्टम में खराबी का अनुभव होने के बाद वापस दिल्ली लौट आया। विमान ने दिल्ली में सामान्य लैंडिंग की और यात्रियों को सामान्य रूप से उतारा गया। आपको बता दें कि हाल के महीनों में स्पाइसजेट के विमानों में खराबी की कई घटना सामने आ चुकी है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आदेशों के अनुसार, स्पाइसजेट वर्तमान में अपनी 50 प्रतिशत से अधिक उड़ानों का संचालन नहीं कर रही है। डीजीसीआई ने जुलाई में एयरलाइन की उड़ानों पर आठ सप्ताह की अवधि के लिए प्रतिबंध लगाया था। 19 जून से 5 जुलाई के बीच तकनीकी खराबी की कम से कम आठ से अधिक मामले सामने आए थे।

ईदगाह मैदान से हटाए गए सावरकर के बैनर, पहली बार हो रहा हिंदू त्योहार का आयोजन

हुबली। कर्नाटक के हुबली के ईदगाह मैदान में गणेश चतुर्थी समारोह के दौरान मंच पर लगे वीर सावरकर और बाल गंगाधर तिलक के पोस्टर को बुधवार की रात अधिकारियों ने हटा दिए। आपको बता दें कि सावरकर की तस्वीर मूर्ति के बगल में रखी गई थी और उनकी तस्वीर के साथ एक बैनर भी लगाया गया था। अधिकारियों का कहना है कि बैनर को हटा दिया गया है, क्योंकि यह आयोजन के लिए तय मानदंडों का उल्लंघन करता है। हालांकि, ईदगाह मैदान में रानी चेन्नम्मा मैदान गजानन उत्सव महामंडल कार्यक्रम के मुख्य द्वार के बाहर वीर सावरकर की तस्वीर वाला एक बैनर टंगा हुआ। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा कि सावरकर की तस्वीर को पृष्ठभूमि के रूप में लगाया गया था। जोशी ने कहा, आयोजकों का मानना है कि सावरकर एक महान देशभक्त हैं इसलिए उन्होंने इसे रखा है। इसमें गलत क्या है।

वह ईदगाह मैदान गणेश समारोह में महाआरती में शामिल होने के बाद मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। कड़ी सुरक्षा और भारी पुलिस बल के बीच समारोह का

आयोजन किया गया है। इससे पहले मंगलवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हुबली के ईदगाह मैदान में गणेश चतुर्थी समारोह के अयोजन की अनुमति दी थी। अंजुमन-ए-इस्लाम द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए आदेश में कहा गया कि जमीन हुबली-धारवाड़ नगर आयोग की संपत्ति है और वे जिसे चाहें जमीन आवंटित कर सकते हैं।%%

आपको बता दें कि पहली बार इस मैदान में हिंदू त्योहार का आयोजन किया जा रहा है। हुबली में ईदगाह मैदान दशकों से 2010 तक एक विवाद में फंस गया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यह जमीन हुबली-धारवाड़ नगर निगम की संपत्ति है। 1921 में इस्लामिक संगठन अंजुमन-ए-इस्लाम को नमाज अदा करने के लिए 999 साल के लिए जमीन पट्टे पर दी गई थी। आजादी के बाद परिसर में कई दुकानें खोली गईं। इसे अदालत में चुनौती दी गई और एक लंबी मुकदमेबाजी की प्रक्रिया शुरू हुई। 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने अपनै फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने साल में दो बार नमाज की अनुमति दी और जमीन पर कोई स्थायी ढांचा नहीं बनाने का आदेश भी दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अशांत जल में युद्धपोत

चीन ने यह कोशिश ऐसे वक्त में की जब श्रीलंकाई सत्ताधीशों के कुशासन से तंग आ चुके लोगों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था व पूर्व राष्ट्रपति देश से भाग रहे थे। राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाल रहे रानिल विक्रमसिंघे जब देश को पटरी पर लाने के लिये प्रयासरत थे तब चीन ने खुफिया जहाज को हंबनटोटा बंदरगाह पर रुकने की अनुमति देने के लिये दबाव बनाया।

राजनीतिक अस्थिरता व आर्थिक दिवालियेपन के कगार पर खड़े श्रीलंका के बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाज का रुकना चीन के खतरनाक साम्राज्यवादी मंसूबों को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि पहले ही संकट से गुजर रहे श्रीलंका की मुश्किलें ही इस चीनी कदम से बढ़ेंगी। कहने को तो चीनी दलील थी कि यह अनुसंधान के लिये तैनात जहाज है,लेकिन अत्याधुनिक सामरिक तकनीकों से लैस जहाज को भारतीय सीमा के निकट भेजना, चीन के खतरनाक मंसूबों पर सवाल उठाता है। चीन ने यह कोशिश ऐसे वक्त में की जब श्रीलंकाई सत्ताधीशों के कुशासन से तंग आ चुके लोगों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था व पूर्व राष्ट्रपति देश से भाग रहे थे। राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाल रहे रानिल विक्रमसिंघे जब देश को पटरी पर लाने के लिये प्रयासरत थे तब चीन ने खुफिया जहाज को हंबनटोटा बंदरगाह पर रुकने की अनुमति देने के लिये दबाव बनाया। इतना ही नहीं, भारत द्वारा इसका विरोध करने पर चीन ने भारत के खिलाफ जमकर दुष्प्रचार किया। यहां तक कि चीनी राजदूत ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला के जरिये आरोप लगाया कि भारत हमेशा से श्रीलंका विरोधी रहा है और श्रीलंका के उत्तरी पड़ोसी ने उस पर 17 बार आक्रमण किये हैं। कुल मिलाकर श्रीलंका में भारत विरोधी भावनाएं भड़काने के लिये इतिहास की घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। दरअसल, चीन ने पाक जलडमरू मध्य के दोनों ओर प्राचीन व मध्यकालीन राज्यों से संबंधित स्थानीय झड़पों को श्रीलंका के खिलाफ युद्ध दिखाकर भारत विरोधी भावनाएं पैदा करने की कुत्सित कोशिश ही की। बाकायदा तथ्यों से खिलवाड़ कर श्रीलंका की सुरक्षा चिंताओं के लिये भारत को दोषी ठहराने का प्रयास किया। लेकिन भारत ने भी चीनी मंसूबों पर पानी फेरने के लिये कूटनीतिक प्रयासों को लगातार जारी रखा, जिसका परिणाम देखने में भी आया। यह भारत के कूटनीतिक प्रयासों का ही परिणाम था कि श्रीलंका ने चीनी जहाज को कुछ शर्तों के साथ अपनी जल सीमा में रुकने की अनुमति दी। श्रीलंका ने चीन को तीन शर्तों के साथ यह अनुमति दी। पहला, जासूसी जहाज को अपनी स्वचालित पहचान प्रणाली को चालू रखना होगा। दूसरा, श्रीलंकाई जल सीमा में चीन को वैज्ञानिक अनुसंधान की अनुमति नहीं दी गई। तीसरे, किसी भी चीनी चालक दल को उतरने की अनुमति नहीं होगी। कह सकते हैं कि विषम परिस्थितियों में फंसे होने के बावजूद श्रीलंका ने भारतीय चिंताओं का ध्यान रखा। बल्कि इस दौरान भारत ने चीन की दुखती रग पर हाथ रखा और ताइवान के निकट समुद्र में उत्पन्न अशांत स्थिति का भी जिक्र किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बाबत कहा भी है कि श्रीलंका को किसी दूसरे देश के एजेंडे को पूरा करने के लिये अवांछित दबाव में नहीं आना चाहिए। बहरहाल, हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाज को लेकर यदि अमेरिका तक चिंता जता रहा है तो स्थिति की गंभीरता को भारत नजरअंदाज नहीं कर सकता। यह बात किसी के गले नहीं उतरती कि चीन अपनी धरती से हजारों मील दूर हिंद महासागर में अनुसंधान को प्राथमिकता दे जबकि उसकी विस्तृत जल सीमा है और तमाम देशों से जल सीमा को लेकर विवाद जारी हैं। हकीकत यह है कि चीन जिसे हाई-टेक अनुसंधान पोत बता रहा है वास्तव में वह उसका जासूसी जहाज है, जिसकी कमान चीनी सेना के पास होती है। यह जहाज भारत की भीतरी सीमा तक जासूसी करने में सक्षम है। जाहिर बात है तमाम जासूसी उपकरणों से लैस जहाज में दो हजार से अधिक चीनी सवार हैं, जो कम से वैज्ञानिक तो नहीं हो सकते।

कार्टून

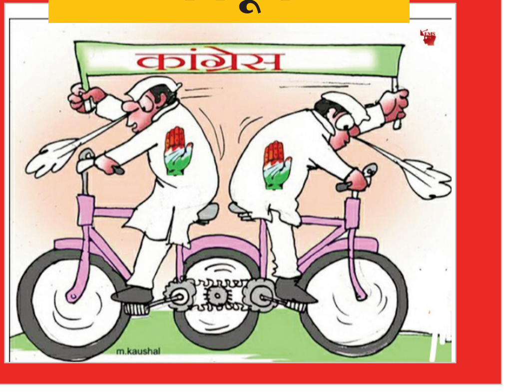

महान सनातन भारतीय संस्कृति ही इस देश का मूल आधार है

(लेखक-- प्रहलाद सबनानी)

अंग्रेजों ने जब भारत पर शासन करना प्रारम्भ किया तो उनका अज्ञानतावश यह सोच था कि यहां के नागरिक कुछ जानते ही नहीं है और इनकी विज्ञान के प्रति कोई समझ ही नहीं है।उनका यह भी सोच था कि हिन्दुस्तान कई राज्यों का एक समूह है और यह एक राष्ट्र नहीं है। भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा है, ना ही अभी यह एक राष्ट्र है और न ही कभी भविष्य में यह एक राष्ट्र रह पाएगा। क्योंकि यहां तो विभिन्न राजा राज्य करते हैं और उनके राज्यों की अलग अलग भौगोलिक सीमाएं हैं इसलिए भारत का एक राष्ट्र के रूप में कभी अस्तित्व ही नहीं रहा है।

किसी भी राष्ट्र के मूल में कुछ तत्व निहित होते हैं, जिनके बल पर वह देश आगे बढ़ता है और समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोए रखता है। भारत के एक राष्ट्र के रूप में, इसके मूल में, सनातन हिंदू संस्कृति का आधार है जो हजारों वर्षों से भारत को आज भी भारत के मूल रूप में ही जीवित रखे हुए है। अन्यथा, पिछले लगभग 1000 वर्षों में भारत को तोड़ने के लिए अरब के आक्रांताओं और अंग्रेजों के द्वारा अनेकानेक प्रयास किए गए हैं। अरब के आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने बहुत अधिक प्रयास किए कि किसी तरह भारतीय मूल संस्कृति को तहस नहस किया जाय, शिक्षा पद्धति को ध्वस्त किया जाय, बलात हिंदुओं का धर्म परिवर्तन किया जाय, आदि आदि। इन प्रयासों में उन्हें कुछ सफलता तो अवश्य मिली परंतु पूर्ण रूप से भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं कर पाए। जबकि कई अन्य देशों (ईरान, लेबनान, इंडोनेशिया, मिस्त्र, ग्रीक आदि) में इनके यही प्रयास पूर्ण रूप से सफल रहे एवं वहां के लगभग सम्पूर्ण नागरिकों को इस्लाम में परिवर्तित करने में वे सफल रहे। भारत में चूंकि सनातन हिंदू धर्म का बोलबाला है अतः यहां इन तत्वों को आज तक सफलता नहीं मिली है हालांकि इनके प्रयास अभी भी जारी हैं।

अंग्रेजों ने जब भारत पर शासन करना प्रारम्भ किया तो उनका अज्ञानतावश यह सोच था कि यहां के नागरिक कुछ जानते ही नहीं है और इनकी विज्ञान के प्रति कोई समझ ही नहीं है।उनका यह भी सोच था कि हिन्दुस्तान कई राज्यों का एक समूह है और यह एक राष्ट्र नहीं है। भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा है, ना ही अभी यह एक राष्ट्र है और न ही कभी भविष्य में यह एक राष्ट्र रह पाएगा। क्योंकि यहां तो विभिन्न राजा राज्य करते हैं और उनके राज्यों की अलग अलग भौगोलिक सीमाएं हैं इसलिए भारत का एक राष्ट्र के रूप में कभी अस्तित्व ही नहीं रहा है। अंग्रेज यह भी मानते थे कि पूरे भारत के लोग एक हो जाएंगे यह कभी सम्भव ही नहीं है। अंग्रेज अहंकारवश भारतीयों को अनपढ़, असभ्य एवं रूढ़िवादी तक कहते थे। उनकी नजरों में भारतीयों की कोई एतिहासिक उपलब्धि नहीं है एवं भारत के बर्बर, जंगली लोगों को सभ्यता सिखाने का दायित्व हमारा (अंग्रेजों का) है। भारत के लोग प्रशासन करने के अयोग्य है। किसी कारण से यदि भारत को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दे दिया तो इस देश की बर्बादी सुनिश्चित है और फिर इसकी जवाबदारी हमारी (अंग्रेजों की) होगी। उनको विशेष रूप से हिंदुओं से बहुत डर लगता था और वे हिंदुओं से सावधान रहने की आवश्यकता पर बल दिया करते थे। उनका सोच था कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत बहुत जल्दी बर्बाद हो जाएगा। भारत में लोकतंत्र जीवित नहीं रह सकता, यह बहुत ही अस्वाभाविक राज्य है। भारत आजाद होते ही कई टुकड़ों में बिखर जाएगा क्योंकि यहां 52 करोड़ लोग हैं एवं इनकी अलग अलग भाषाएं हैं ये आपस में लड़ते रहते हैं और कभी भी एक नहीं रह पाएंगे। भारत आजादी के बाद पूरी दुनिया के लिए एक भार बन जाएगा एवं यहां के नागरिक भूख से ही मर जाएगे। उक्त सोच ब्रिटेन, अमेरिका, लगभग समस्त यूरोपीय देशों सहित कई देशों की भी थी। आज भी आतंकवादी संगठन एवं विदेशी ताकतें जो भारत को अस्थिर करना चाहते हैं वे इसी परिकल्पना पर अपना कार्य प्रारम्भ करते हैं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को आपस में लड़ाने का प्रयास करते नजर आते हैं। उक्त वर्णित देशों की यह सोच इसलिए थी क्योंकि उनके पास हिंदू सनातन संस्कृति का कोई ज्ञान नहीं था बल्कि उनकी अपनी पश्चिम रंग में रची बसी सोच थी जो केवल ÷मैं÷ में विश्वास करती थी उनके लिए देश मतलब केवल भौगोलिक सीमाओं वाला जमीन का टुकड़ा और उस जमीन के टुकड़े पर रहने वाले लोग ही विशेष हैं। उनके सोच में अहम का भाव कूट कूट कर भरा है। केवल मैं ही श्रेष्ठ हूं। इस दुनिया में रहने वाले बाकी सभी लोग हमसे हीन हैं। जर्मन लोगों ने अपना एक विशेष दर्शन शास्त्र दुनिया के सामने रखा जिसमें उन्होंने किसी और दर्शन को स्वीकार न करते हुए केवल अपने दर्शन को ही श्रेयस्कर माना एवं अहंकार का भाव जाहिर किया। जर्मन, फ्रेंच से भिन्न हैं। यूरोप में प्रत्येक देश ने अपने आप को दूसरे देश से बिलकुल अलग रखा हुआ है। पश्चिम का राष्ट्रवाद एकांतिक है इसमें समावेशिता का नितांत अभाव है। इसीलिए आज रूस, यूक्रेन के साथ लड़ रहा है तो जर्मनी की फ्रान्स के साथ नहीं बनती है। इसी प्रकार यूरोप के लगभग सभी देशों के आपसी विचारों में किसी न किसी प्रकार की भिन्नता दृष्टिगोचर होती रहती है। जबकि यह लगभग सभी देश ईसाई धर्म को मानने वाले देश हैं। आज कई इस्लामी देश भी पश्चिमी सोच की राह पर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं कि केवल हमारा धर्म ही श्रेष्ठ है। इस धरा पर जो भी इस्लाम को नहीं मानता हैं वह काफिर है और उसे जीने का हक नहीं हैं। काफिर या तो इस्लाम को कबूल करे अथवा वह मार दिया जाएगा। और तो और इस्लामी देशों में भी अलग अलग किस्म के कई फिर्के आपस में ही लड़ते झगड़ते रहते हैं एवं एक दूसरे को अपने से श्रेष्ठ सिद्ध करने की कोशिश में लगे रहते हैं। जबकि भारतीय विचारधारा इसके ठीक विपरीत आचरण करना सिखाती है विशेष रूप से सनातन हिंदू संस्कृति में जो व्यक्ति जितना विशेष होगा वह उतना ही विनयपूर्ण होगा और इस नाते भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति अविभाजनकारी दर्शन पर चलकर सर्वसमावेशी है। इसमें ईश्वरीय भाव जाहिर होता है। जो मेरे अंदर है वही आपके अंदर भी है अर्थात मुझमें भी ईश्वर है और आपमें भी ईश्वर का वास है। इस प्रकार प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी जाति का हो, किसी भी मत, पंथ को मानने वाला हो, अपने आप को भारत माता का सपूत कहने में गर्व का अनुभव करता है। और, इसलिए भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति अन्य संस्कृतियों को भी अपने आप में आत्मसात करने की क्षमता रखती है। इतिहास में इस प्रकार के कई उदाहरण दिखाई देते हैं। जैसे पारसी आज अपने मूल देश में नहीं बच पाए हैं लेकिन भारत में वे रच बस गए हैं। इसी प्रकार इस्लाम धर्म को मानने वाले लगभग सभी फिर्के भारत में निवास करते हैं जबकि विश्व के कई इस्लामी देशों में केवल एक विशेष प्रकार के फिर्के पाए जाते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, अंग्रेजों एवं अन्य कई देशों की सोच के ठीक विपरीत, विभिन्न मत, पंथों को मानने वाले भारतीय 26 विभिन्न राष्ट्रीय भाषाओं के साथ न केवल सफलतापूर्वक एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाकर आनंद में रह रहे हैं बल्कि आज भारतीय लोकतंत्र पूरे विश्व में सबसे बड़े मजबूत लोकतंत्र के रूप में अपना स्थान बना चुका है। यह केवल सनातन हिंदू संस्कृति के कारण ही सम्भव हो सका है। सनातन हिंदू संस्कृति में एकात्मता का भाव मुख्य रूप से झलकता है। अतः वर्तमान में आतंकवादियों एवं अन्य कई देशों द्वारा भारत में अस्थिरता फैलाने के जो प्रयास किए जा रहे हैं उन्हें भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के दर्शन को अपनाकर ही पूर्णतः दबाया जा सकता है एवं इसलिए आज सामाजिक समरसता की देश में सबसे अधिक महती आवश्यकता है। इसके भी आगे जाकर आज भारतीय मुस्लिमों के लिए पूरे विश्व के सामने भारतीयता की पहचान कराने का समय आ गया है एवं भारतीय संस्कृति में रचे बसे इस्लाम के चेहरे को पूरे विश्व के सामने लाना चाहिए ताकि पूरे विश्व से आतंकवाद का सफाया किया जा सके। वैसे हाल ही के समय में कई देशों यथा, जापान, रूस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंडोनेशिया आदि आदि में भारतीय संस्कृति के प्रति रूझान बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक श्री मोहन भागवत जी भी कहते हैं कि हमारे यहां (भारत में) सब बातों में अपनापन देखने की प्रवृत्ति है। अपनापन देखने की प्रवृत्ति से दुनिया का भला होता है। अलगाव देखने की प्रवृत्ति से दुनिया में कलह होती है, शोषण होता है, अन्याय होता है, युद्ध होते हैं, पर्यावरण की हानि होती है। इसलिए सनातन धर्म की सबको अपना मानने की प्रवृत्ति जो धर्म है, उसकी रक्षा के लिए भारत का निर्माण हुआ है। अब तो विश्व के कई विकसित देशों को भी यह आभास होने लगा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति इस धरा पर सबसे पुरानी संस्कृतियों में एक है और भारतीय वेदों, पुराणों एवं पुरातन ग्रंथों में लिखी गई बातें कई मायनों में सही पाई जा रही हैं। इन पर विश्व के कई बड़े बड़े विश्वविद्यालयों में शोध किए जाने के बाद ही यह तथ्य सामने आ रहे है।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

धर्म

हमारा लक्ष्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

परिस्थितियों की अनुकूलता की प्रतिज्ञा करते-करते असल मकसद दूर पड़ा रह जाता है। हमें जीवन में जो कष्ट है, जो हमारा लक्ष्य है, उसे हम परिस्थिति के प्रपंच में पड़ कर विस्मृत कर रहे हैं। होना यह चाहिए था कि परिस्थितियों के तकाजों की उपेक्षा करके भी अपने जीवन के महत्तर मकसदों का स्मरण रखते। निरंतर सत्प्रयासों द्वारा उसको हासिल करने की दिशा में चेष्टारत होते। पर नहीं। मैं पूछता हूं; यदि आपके पास कीमती फाउंटेन पेन नहीं है, बढ़िया कागज और फर्नीचर नहीं है, तो क्या आप कुछ न लिखेंगे? यदि उत्तम वस्त्र नहीं हैं तो क्या उन्नति नहीं करेंगे? यदि घर में बच्चों ने चीजें अस्त-व्यस्त कर दी हैं या झाड़ू नहीं लगा है, तो क्या आप क्रोध में अपनी शक्तियों का अपव्यय करेंगे? यदि आपकी पत्नी के पास उत्तम आभूषण नहीं हैं तो क्या वे असुंदर कहलायेंगी या घरेलू शांति भंग करेंगी? यदि आपके घर के इर्द-गिर्द शोर होता है, तो क्या आप कुछ भी न करेंगे? यदि सब्जी, भोजन, दूध इत्यादि ऊंचे स्टैन्र्डड का नहीं बना है, तो क्या आप बच्चों की तरह आवेश में भर जाएंगे? नहीं। आपको ऐसा कदापि नहीं करना चाहिए। परिस्थितियां मनुष्य के अपने हाथ की बात है। मन के सामर्थ्य एवं आंतरिक स्वावलम्बन द्वारा हम उन्हें विनिर्मित करने वाले हैं। हम जैसा चाहें जब चाहें सदैव कर सकते हैं। कोई भी अड़चन हमारे मार्ग में नहीं आ सकती। मन की आंतरिक सामर्थ्य के सम्मुख प्रतिकूलता बाधक नहीं हो सकती। सदा जीतने वाला पुरु षार्थी वह है जो सामर्थ्य के अनुसार परिस्थितियों को बदलता है। किंतु यदि वे बदलती नहीं तो स्वयं अपने आपको उन्हीं के अनुसार बदल लेता है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में उसकी मन~ शांति और दिमागी संतुलन स्थिर रहता है। विषम परिस्थितियों के साथ वह अपने आपको समायोजित करता चलता है। निराश न होइए यदि आपके पास बढ़िया मकान, उत्तम वस्त्र, टीपटाप, ऐर्य इत्यादि वस्तुएं नहीं हैं। इनका अभाव बना हुआ है। आपको विश्वास करना चाहिए कि ये आपकी उन्नति में बाधक नहीं हैं। उन्नति की मूल वस्तु-महत्त्वाकांक्षा है। न जाने मन के किस अतल गह्वर में यह अमूल्य सम्पदा लिपटी पड़ी हो किंतु आप गह्वर में हैं अवश्य। आत्म-परीक्षा कीजिये और इसे खोजकर निकालिये।

विचार मंथन

डालर की दादागिरी को वैश्विक चुनौती

लेखक- सनत कुमार जैन

अमेरिका के पास,दुनिया का 18 ट्रिलियन डॉलर बकाया है।जो अमेरिका की जीडीपी का 73 फ़ीसदी है।मुद्रा कोष में 50 फीसदी का पैमाना खतरे का निशान माना जाता है। अमेरिका का स्तर वर्तमान में 73 फ़ीसदी पर पहुंच गया है।अमेरिका की अर्थव्यवस्था लगातार धीमी पड़ रही है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी डॉलर के कारण दुनिया के कई देश वित्तीय संकट में आ जाते हैं। आयात- निर्यात व्यापार का संतुलन बिगड़ जाता है। भुगतान को लेकर बड़े संकट खड़े हो जाते हैं।1970 के दशक में डालर की तुलना में अन्य देशों की मुद्रा में भारी गिरावट आई थी। जो लगभग 7 वर्षों तक चली थी। 2011 के बाद से डॉलर की मूल्य वृद्धि अन्य देशों की मुद्राओं को लगातार कमजोर बना रही है। जिसके कारण दुनिया के कई देश विदेशी मुद्रा संकट से जूझ रहे हैं।कई देशों की अर्थव्यवस्था, डालर की मूल्य वृद्धि के कारण लड़खड़ा रही है। डालर के कारण कई देश जरूरी चीजों का आयात नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण उन देशों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। अमेरिका ने जिस तरह से रूस पर पाबंदी लगाकर रूस को वित्तीय संकट में डाल दिया था। प्रतिबंध का असर रूस के आम नागरिकों को झेलना पड़ा। रूस जैसी महाशक्ति को अमेरिका के प्रतिबंध और डॉलर मैं लेन-देन बंद होने से भारी परेशान हुई। उसके बाद दुनिया के अधिकांश देश भी डालर मुद्रा को लेकर वैकल्पिक उपाय सोचने लगे हैं।दुनिया के कई देशों ने आयात निर्यात के लिए अपने संबंधों के आधार पर उन देशों की मुद्रा स्वीकार करना शुरू कर दी। कुछ प्रतिशत में अन्य मुद्राओं को स्वीकार करना शुरू कर दिया है। वर्तमान में दुनिया के मुद्रा भंडार में डालर की भागीदारी 59 फ़ीसदी पर पहुंच गई है।1995 की तुलना में यह सबसे निम्न स्तर है।डॉलर को चुनौती देने के लिए डिजिटल मुद्रा ने भीकुछ समय के लिए अपनी धमक बनाई थी।किंतु विश्वसनीयता नहीं होने के कारण विश्व भर के देश डालर के स्थान पर अन्य मुद्राओं को आयात निर्यात के विकल्प के रूप में देख रहे हैं। रूस और ईरान जैसे देशों ने अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद जिस तरीके से आर्थिक संकट का मुकाबला किया है।डालर मुद्रा के प्रतिबंधों का जवाब अन्य तरीके से देकर उन्होंने अमेरिका को आईना दिखाने का काम किया है। डालर मुद्रा की लगातार मूल्य वृद्धि के कारण अन्य देशों ने भी डालर के मुकाबले अन्य विकल्प अपनाने शुरू कर दिए हैं। जिसके कारण डालर का दबदबा कम होता जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के स्थान पर यूरोप,जापान और यूके मुद्रा भी विकल्प के रूप में सामने है। इसी तरह आयात- निर्यात के असंतुलन में अन्य मुद्रा के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। जिसके कारण डालर का दबदबा धीरे-धीरे खत्म होता हुआ, दिख रहा है।

आशा

भारत की आस जुड़ी है आशाकर्मियों से

(लेखक- सोनम लववंशी)

आशा यानि उम्मीद और ये उम्मीद ही है, जिसकी बदौलत हम बहुत कुछ बदल सकते है। अगर उम्मीद है, तो कुछ भी हासिल करना सम्भव है। ऐसा ही कुछ हमारे देश में आशा कार्यकर्ताएं कर रही हैं। उनके कंधे पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है जिसे वो बखूबी निभाती भी हैं। इसकी एक बानगी हमें कोरोना काल में देखने को मिली। जब लोगों के भीतर भय का माहौल था, लोग अपनों से ही डर रहे थे कि कहीं जान सांसत में न फंस जाए। तब ये आशा कार्यकर्ताएं अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों की जान बचाने में लगी हुई थी। देखा जाए तो वर्तमान में हमारे देश में दस लाख आशा कार्यकर्ताएं हैं। जो दिन-रात मेहनत कर लोगों के घर-घर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचा रहीं हैं। इनमें से कुछ लाइम-लाइट में अपने काम की वजह से आ जाती हैं तो कुछ गुमनामी में भी अपना काम करती रहती हैं। इसी बीच मध्यप्रदेश के रीवा ज़िले की एक आशा कार्यकर्ता रंजना द्विवेदी काफी सुर्ख़ियों में हैं। उनके सुर्ख़ियों में बने होने का एक सबसे बड़ा कारण उनका समर्पण और अपने कर्तव्य के प्रति वफ़ादारी है। जिसकी बदौलत वो देश-दुनिया में नाम कमा रही हैं और बीते दिनों उनसे अमिताभ बच्चन ने भी चर्चा की। ऐसे में आज हम आशा कार्यकर्ताओं के बारे में और उनके कार्य में आने वाली अड़चनों की बात करते। जो सामाजिक और आर्थिक दोनों प्रकार की होती है। आज हम भले इक्कीसवीं सदी में जी रहें हैं। जहां चीजें काफ़ी आसान हो गई हैं, लेकिन आशा कार्यकर्ताओं का पेशा अनगिनत दुश्वारियों से होकर आगे बढ़ता है। आशाकर्मी को उचित मेहनताना नहीं मिलता, नर्सों की तरह सम्मान नहीं मिलता। इसके अलावा भी कई अड़चनों से होकर गुजरना पड़ता है। इन सबके बावजूद भी आशाकर्मी कभी आस नहीं छोड़ती और अपने काम में तलीनता के साथ लगी रहती है। रीवा जिले की रंजना के जीवन में आने वाली ही अड़चनों को देख लीजिए। वो रीवा जिले के तरई अंचल के कोनी रुपाली गांव से आती हैं। उन्होंने कोरोना काल जैसी महामारी के बीच हर दिन 7 किलोमीटर न सिर्फ पैदल चलना सुनिश्चित किया, बल्कि नदी पार कर एक छोटे से पहाड़ी गांव गुरगुदा जाती थी। ये गांव तीन तरफ़ से पहाड़ों से घिरा हुआ है, और इस गांव में पहुँचने के लिए नदी तक पार करनी पड़ती है। उन्होंने न केवल इस कठिन सफ़र को तय किया बल्कि ग्रामीण जनता को भी जागरूक करने के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी ज़ुबानी में कहें तो एक समय ऐसा भी आया। जब ग्रामीणों ने आशा कार्यकर्ता की बात को अनसुना कर दिया। साथ ही टीकाकरण का भी जमकर विरोध किया लेकिन आशा कार्यकर्ता की हिम्मत और लगन की बदौलत आज गांव में 100 प्रतिशत टीकाकरण हो चुका है। रंजना ने अपने बेटे के साथ मिलकर ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए पोस्टर तक बनाएं। ताकि पोस्टर के जरिए लोगों को समझाया जा सकें और आखिरकार उनकी यह मेहनत रंग लाई। यह आशाकर्मी रंजना द्विवेदी की अपने काम के प्रति निष्ठा ही है। जिसकी बदौलत उनका चयन विश्व के सर्वश्रेष्ठ 19 महिलाओं में हुआ और वुमन-19 में उन्हें सबसे प्रभावशाली महिलाओं में तीसरा स्थान मिला। यह उपलब्धि उनके लिए और विशेषकर आशाकर्मियों के लिए बहुत मायने रखती है, क्योंकि रंजना न तो कोई सेलिब्रेटी हैं और ना ही उनका कॉरपोरेट जगत से कोई नाता। लेकिन उन्होंने फ़िर भी अपनी लगन और जज़्बे के दम पर जो मुकाम हासिल किया वह काबिलेतारीफ है। किसी ने सच ही कहा है कि इंसान चाहें तो अपनी मेहनत और क़िस्मत से क्या कुछ नहीं हासिल कर सकता। कोरोना काल में रंजना द्वारा किए गए साहसिक कार्य के लिए अमेरिकी संस्था एनपीआर ने उन्हें न केवल अपने सर्वे में शामिल किया। बल्कि 19 प्रभावशाली महिलाओं में तीसरा स्थान भी दिया। एक कहावत है कि लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। कुछ ऐसी ही मिसाल रंजना द्विवेदी ने भी पेश की है। वह 7 किलोमीटर के पैदल सफ़र में न ही डकैतों से डरी न ही जंगली जानवरों का भय सताया। यहां तक कि गांव पहुंचने के लिए नदी तक को पार किया। तमाम चुनौतियों के बाद भी रंजना का समाज सेवा के प्रति जज़्बा कम नहीं हुआ। उनके इस जज़्बे को आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है। वैसे यह कोई पहला सुखद वाकया नहीं। जब किसी आशा कार्यकर्ता के साहसिक कार्य की सराहना की जा रही हो। इससे पहले भी ओडिशा की एक महिला आशा कार्यकर्ता मतिल्दा कुल्लू ने फ़ोर्ब्स मैगजीन की शोभा अपने काम के प्रति समर्पण से बढ़ाई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्कोडा ऑटो इंडिया की थोक बिक्री अगस्त में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,222 इकाई पर

नयी दिल्ली, वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो इंडिया की थोक बिक्री अगस्त माह में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,222 इकाई हो गई। कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अगस्त, 2021 में डीलरों को 3,829 वाहन भेजे थे। चेक कार कंपनी ने कहा कि उसने 2022 के लिए 37,568 इकाइयों की बिक्री के आंकड़े को पार कर लिया है, जबकि अभी एक तिमाही बाकी है। स्कोडा ऑटो ने एक बयान में कहा कि बिक्री के मामले में 2022 का साल कंपनी के लिए सबसे अच्छा रहा है। कंपनी ने इससे पहले 2012 में 34,678 वाहन बेचे थे। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक जैक हॉलिस ने कहा कि भारत और दुनिया में स्कोडा ऑटो के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। इस उपलब्धि का श्रेय हमारी टीमों, भागीदारों और सबसे महत्वपूर्ण हमारे ग्राहकों को जाता है।

तीन देशों से आयातित अमोनियम नाइट्रेट पर डंपिंग रोधी शुल्क की अवधि नहीं बढ़ाएगी सरकार

नयी दिल्ली. सरकार ने रूस, ईरान और जॉर्जिया से आयात होने वाले अमोनियम नाइट्रेट पर लगाए गए डंपिंग रोधी शुल्क को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने घरेलू उद्योग की शिकायत के बाद इन देशों से आयात होने वाले इस उत्पाद पर लगातार डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की जरूरत की समीक्षा के लिए जांच की थी। निदेशालय ने जून में दो और वर्षों के लिए अमोनियम नाइट्रेट के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क को बढ़ाने की सिफारिश की थी। राजस्व विभाग ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा, ''केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के बाद सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है।'' गौरतलब है कि स्मार्टकेम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने इस संबंध में समीक्षा जांच शुरू करने के लिए डीजीटीआर के समक्ष आवेदन दायर किया था। इस आवेदन में रूस, जॉर्जिया और ईरान से उत्पन्न या भेजे जाने वाले अमोनियम नाइट्रेट के आयात पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

अशोक लेलैंड की कुल वाहन बिक्री अगस्त में 51 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई, वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता अशोक लेलैंड की निर्यात समेत कुल वाहन बिक्री अगस्त, 2022 में सालाना आधार पर 51 प्रतिशत बढ़कर 14,121 इकाई हो गई। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हिंदुजा समूह की कंपनी ने अगस्त, 2021 में कुल 9,360 वाहन बेचे थे। अगस्त माह में कंपनी के मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (एमएंडएचसीवी) की कुल बिक्री सालाना आधार पर 81 प्रतिशत बढ़कर 8,379 इकाई हो गई। अगस्त 2021 में 4,632 इकाइयां बिकी थीं। बीते माह में ट्रक की बिक्री 70 प्रतिशत बढ़कर 7,325 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले यह 4,297 इकाई थी। वहीं हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) की बिक्री अगस्त के दौरान 21 प्रतिशत बढ़कर 5,742 इकाई हो गई। पिछले साल इसी महीने में 4,728 इकाइयों की बिक्री हुई थी। कंपनी ने कहा कि आलोच्य अवधि में घरेलू वाहनों की बिक्री 58 प्रतिशत बढ़कर 13,301 इकाई हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 8,400 इकाई रहा था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी और बैंक शेयरों में बिकवाली से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 770.48 अंक करीब 1.29 फीसदी नीचे आकर 58,766.59 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 216.50 अंक तकरीबन 1.22 फीसदी नीचे आकर 17,542.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बिकवाली हावी होने से आज रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, पावरग्रिड, बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इंडसइंड बैंक के शेयर ऊपर आये। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट के शेयर गिरे हैं। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट दर्ज की गयी। गत दिवस अमेरिकी बाजार नीचे आये थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड दो फीसदी नीचे आकर 93.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने, चांदी में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 195 रुपये नीचे आकर 50,723 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,918 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं सोने की ही तरह चांदी भी 863 रुपये फिसलकर 52,819 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। इससे पहले गत कारोबारी सत्र में चांदी 53,682 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना फिसलकर 1,703 डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं दूसरी ओर चांदी 17.73 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी। बाजार जानकारों के अनुसार डॉलर में मजबूती से सोना नीचे आया है।

पेट्रोल की बिक्री अगस्त में बढ़ी, डीजल की मांग सुस्त

नयी दिल्ली.

देश में पेट्रोल की बिक्री अगस्त में बढ़ी है, लेकिन डीजल की मांग में गिरावट जारी है। इसका कारण देश के कई भागों में बारिश से कुछ क्षेत्रों में मांग का प्रभावित होना है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल की बिक्री अगस्त महीने में 5.8 प्रतिशत बढ़कर 28.1 लाख टन रही जबकि जुलाई में यह पांच प्रतिशत घटकर 26.6 लाख टन रही थी। आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल की खपत अगस्त, 2021 के मुकाबले करीब 16 प्रतिशत और अगस्त, 2020 के मुकाबले 31.7 प्रतिशत अधिक है। अगस्त, 2020 में पेट्रोल की खपत 21.4 लाख टन थी। यह महामारी-पूर्व यानी अगस्त, 2019 के 23.3 लाख टन के मुकाबले 20.6 प्रतिशत अधिक है। सबसे ज्यादा उपयोग होने वाला ईंधन डीजल की खपत आलोच्य महीने में 4.9 प्रतिशत घटकर 61.1 लाख टन रही, जो जुलाई में 64.2 लाख टन थी। मानसूनी बारिश के कारण डीजल की मांग पर असर पड़ा है। वैसे परंपरागत रूप से अप्रैल-जून के मुकाबले जुलाई-सितंबर में खपत कम होती है। बारिश से आवाजाही के साथ कृषि क्षेत्र में भी मांग कम होती है। डीजल की मांग में जुलाई में 13.1 प्रतिशत की कमी आई थी। आंकड़ों के अनुसार, हालांकि अगस्त में डीजल की खपत सालाना आधार पर 23.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं अगस्त, 2020 के 42.6 लाख टन के मुकाबले यह 43.4 प्रतिशत अधिक है। जबकि कोविड-पूर्व यानी अगस्त, 2019 के 54.8 लाख टन से यह 11.6 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले, जून महीने में डीजल की खपत बढ़ी थी। विमानन क्षेत्र में आवाजाही बढ़ने के साथ विमान ईंधन की मांग अगस्त महीने में पिछले माह के मुकाबले दोगुना से अधिक होकर 5,41,000 टन रही। यह पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 51.4 प्रतिशत और अगस्त, 2020 के मुकाबले 118.9 प्रतिशत अधिक है।

केंद्र ने 63 तौल, वजन मशीन विनिर्माताओं, आयातकों को कारण बताओ नोटिस भेजा

नई दिल्ली :

सरकार ने ई-कॉमर्स मंचों पर व्यक्तिगत वजन और माप मशीन मसलन किचन स्केल (रसोई में तौलने की मशीन) बेचने वाले 63 विनिर्माताओं, आयातकों और विक्रेताओं को नोटिस जारी किया है। नोटिस में पूछा गया है कि क्या उन्होंने सभी नियामकीय मानदंडों का अनुपालन किया है। ई-कॉमर्स मंचों पर इन उत्पादों की अनधिकृत बिक्री के संबंध में कई उपभोक्ता शिकायतों के बाद यह नोटिस भेजा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''उपभोक्ता शिकायतों और स्वतः संज्ञान के आधार पर जून से 29 अगस्त के बीच 63 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।' नोटिस में विनिर्माताओं, आयातकों और विक्रेताओं को मॉडल की मंजूरी, विनिर्माण/आयातक/डीलर लाइसेंस और वजन पैमाने के सत्यापन का विवरण उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई स्वतः संज्ञान के आधार पर की गई है। यह देखा गया था कि वजन और माप उपकरणों के कुछ निर्माता/आयातक कानून के प्रावधानों का पालन किए बिना किचन स्केल

और व्यक्तिगत वजन मशीन बेच रहे हैं। विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 के अनुसार निर्माताओं और आयातकों को अपने वजन और माप उपकरण के मॉडल, निर्माण लाइसेंस, आयात पंजीकरण और सत्यापन/स्टाम्प के लिए मंजूरी प्राप्त करना आवश्यक है।

जीएसटी संग्रह 28 प्रतिशत बढ़कर 1.43 लाख करोड़

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने बताया कि अगस्त में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 28 प्रतिशत बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपए हो गया। यह लगातार छठा महीना है जब जीएसटी संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आर्थिक पुनरुद्धार का जीएसटी राजस्व पर लगातार सकारात्मक प्रभाव बना हुआ है। उसने बताया कि अगस्त 2022 में सकल जीएसटी राजस्व 1,43,612 करोड़ रुपए रहा है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अगस्त में संग्रह 1.43 लाख करोड़ रुपए हो गया है जो पिछले वर्ष के इसी महीने में मिले 1,12,020 करोड़ रुपए के राजस्व से 28 फीसदी अधिक है।

बिजलीघरों में कोयले का भंडार बढ़कर करीब तीन करोड़ टन पहुंचा

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया ने कहा कि बिजली उत्पादन संयंत्रों में कोयला भंडार पिछले माह बढ़कर करीब तीन करोड़ टन पहुंच गया। इससे मानसून के दौरान कोयले की कमी की आशंका दूर हुई है। सरकार इस साल गर्मियों के दौरान बिजलीघरों में ईंधन संकट गहराने की स्थिति दोबारा उत्पन्न नहीं होने देने के लिए कोयला भंडार बनाने के प्रयास कर रही है। बिजलीघरों में कोयला भंडार 29 अगस्त तक करीब तीन करोड़ टन रहा। एक साल पहले इसी महीने में ईंधन भंडार 1.12 करोड़ टन था। कोल इंडिया ने कहा कि कंपनी से आपूर्ति बढ़ने से बिजलीघरों में ईंधन भंडार की स्थिति बेहतर हुई है। कंपनी के अनुसार, ''अगस्त में कोयले का भंडार 2020 को छोड़कर छह साल के उच्चस्तर पर है। लॉकडाउन' के कारण उत्पन्न नरमी से भंडार उस समय 3.77 करोड़ टन पर आ गया था। कोल इंडिया ने कहा कि कंपनी के खदानों के परिसर में 3.1 करोड़ टन का कोयला भंडार है जबकि तीन करोड़ टन बिजलीघरों में हैं। इसके अलावा एक करोड़ टन से अधिक कोयला निजी वॉशरी, बंदरगाहों, निजी उपयोग वाले बिजली संयंत्रों आदि जगहों पर हैं। यह देखकर अभी कोयले का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

ऑपरेशन और बैकएंड डिपार्टमेंट में सेवा दे रहे 40 कर्मचारियों को कू ने निकाला

मुंबई ।

भारतीय माइक्रोब्लॉगिंग और सोशल नेटवर्किंग साइट कू का नाम भी कर्मचारियों की छंटनी करने वाली कंपनियों में शामिल हो गया है। कू ने 40 कर्मचारियों को कंपनी से निकाल दिया है। ये कर्मचारी कंपनी के ऑपरेशन और बैकएंड डिपार्टमेंट में सेवाएं दे रहे थे। जानकारों का कहना है कि फंडिंग की कमी से जूझ रही कू अपनी वर्कफोर्स को कम कर रही है। कोरोना के बाद से कई भारतीय स्टार्टअप्स ने हजारों कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर रहे हैं। कू द्वारा काम से निकाले गए ज्यादातर कर्मचारी दिल्ली में काम करते थे। कुछ कर्मचारी उत्तर भारत में अलग-अलग जगह स्थित कंपनी के कार्यालयों में कार्यरत थे। यह पहली बार नहीं हुआ है कि कू ने कर्मचारियों की सेवाओं को समाप्त किया है। इससे पहले भी खबरें आई थीं कि कंपनी ने दर्जनभर कर्मचारियों से त्यागपत्र ले लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों की छंटनी उस समय हुई है, जब कू के सीईओ अप्रमेय राधाकृष्णन विदेश में हैं और वे फंडिंग जुटाने के लिए निवेशकों के साथ बातचीत कर रहे हैं। अभी तक यह भारतीय स्टार्टअप 44.5 मिलियन धनराशि जुटा चुका है। टाइगर ग्लोबल, ब्लूम वेंचर्स, कलारी कैपिटल, एक्सेल ने कू में निवेश किया है। एक ओर जहां कू कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है वहीं, दूसरी ओर उसने इंजीनियरिंग और मशीन लर्निंग सेक्शन में कर्मचारियों को भर्ती करने की भी घोषणा की है।

कार्ड टोकन व्यवस्था के लिये एसबीआई ने कमर कसी तैयारी पूरी : कंपनी प्रमुख अमारा

नई दिल्ली ।

देश की शीर्षस्थ क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली कंपनी एसबीआई कार्ड एंड पेमेंट सर्विसेज ने टोकन व्यवस्था अपनाने के लिए जमीनी स्तर पर तैयारी पूरी कर ली है। अक्टूबर में जारी होने वाली इस व्यवस्था का मकसद लोगों को धोखाधड़ी से बचाना और आंकड़ों की चोरी को रोकना है। टोकन व्यवस्था के तहत कार्ड के वास्तविक ब्योरे की जगह कूट संख्या यानी टोकन नंबर का उपयोग किया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक की यह व्यवस्था लेन-देन के लिहाज से सुरक्षित मानी जाती है क्योंकि इसमें लेन-देन के समय कार्ड का वास्तविक ब्योरा व्यापारियों के साथ साझा नहीं किया जाता। एसबीआई कार्ड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राम मोहन राव अमारा ने गुरुवार को कहा, 'इस मामले में जहां तक तैयारी का सवाल है, प्रौद्योगिकी के लिहाज से, सभी नेटवर्क के साथ एकीकरण के मामले में, हम वीजा, मास्टरकार्ड और रुपे जैसे सभी नेटवर्क के साथ तैयार हैं।' कार्ड टोकन व्यवस्था के बारे में अमारा ने कहा, 'यह ग्राहकों के हितों की रक्षा तथा आंकड़ों को सुरक्षित रखने के लिहाज से अच्छी पहल है।' उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने टोकन व्यवस्था अपनाने की समयसीमा तीन महीने बढ़ाकर तीस सितंबर कर दी। विभिन्न पक्षों से मिले प्रतिवेदनों पर गौर करने के बाद आरबीआई ने यह कदम उठाया। इससे पहले, इसकी समयसीमा 30 जून थी। अमारा ने कहा, '...बड़े व्यापारियों के स्तर पर खर्च का एक बड़ा हिस्सा होता है, उन्हें पहले ही टोकन दिया जा चुका है। छोटे व्यापारियों के मामले में प्रक्रिया जारी है।' देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई प्रवर्तित एसबीआई कार्ड ने एक नया क्रेडिट कार्ड जारी करने की भी घोषणा की है। इसमें विशेष रूप से कैशबैक पर गौर किया गया है। अधिकारी ने कहा, 'उपभोक्ताओं में एक नई प्रवृत्ति है...वे तत्काल 'कैशबैक' की मांग करते हैं। इस रुख को देखते हुए हम यह क्रेडिट कार्ड जारी कर रहे हैं। यह उद्योग में अपनी तरह का पहला कार्ड है....।'ग्राहकों के खर्च की प्रवृत्ति के बारे में अमारा ने कहा कि पिछले पांच महीने के जो आंकड़े हैं, वे काफी मजबूत हैं। जुलाई में यह 1,000 अरब रुपये को पार कर गया जो उद्योग का अब एक नया चलन बन गया है। उन्होंने कहा कि इसका कारण सोच-विचार कर किये जाने वाले खर्च का बढ़ना है। यह खासकर उन क्षेत्रों में बढ़ा है, जहां पहले नरमी थी।

सेबी ने साइबर सुरक्षा पर किया उच्च स्तरीय समिति का पुनर्गठन

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने साइबर सुरक्षा पर अपनी उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया है। यह समिति दरअसल पूंजी बाजार को साइबर संबंधी हमलों से बचाने के उपाय सुझाती है। इस समिति में अब छह सदस्य हो गए हैं और इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (एनसीआईआईपीसी) के महानिदेशक नवीन कुमार सिंह करेंगे। सेबी की तरफ से जारी ताजा जानकारी के अनुसार, इस समिति में पहले केवल चार ही सदस्य थे। समिति में अन्य सदस्यों के रूप में भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) के महानिदेशक संजय बहल और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी-बेंगलुरु) में मुख्य शोध वैज्ञानिक एच कृष्णमूर्ति को शामिल किया गया हैं।

इस समिति को सेबी के साथ-साथ पूरे पूंजी बाजार के लिए साइबर सुरक्षा पहल की देखरेख और समग्र रास्ता दिखाने का काम सौंपा गया है। इसके अलावा यह समिति सेबी को विश्व की सर्वोत्तम व्यवस्था या व्यवहार तथा उद्योग मानकों के अनुरूप साइबर सुरक्षा आवश्यकताओं को तैयार करने और बनाए रखने में भारतीय पूंजी बाजार संरचना की आवश्यकता के अनुसार सलाह भी देगी।

भारी उबाल के बाद सरसों के तेल के दाम में आई कमी, आमजन को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली ।

आसमान छूती महंगाई का असर खाद्य तेलों पर पड़ा जिसके चलते सरसों के तेल के भाव में भारी उबाल रहा था, लेकिन अब यह शांत हो चुका है। पिछले कुछ दिनों से निरंतर इसका भाव नीचे आ रहा है। उत्तर प्रदेश में अब सरसों तेल का थोक भाव 154 रुपये लीटर तक आ गया है। एक समय था जब सरसों के तेल 200 रुपये पार कर गया था। बिहार में भी अब सरसों के तेल का भाव कम होकर 175 रुपये लीटर हो गया है। सरसों तेल के रेट कम होने का प्रमुख कारण सरसों के भाव में कमी और तेल की मांग में नरमी आना है। उत्तर भारत में सरसों तेल की खपत ज्यादा होती है। वहीं, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल महाराष्ट्र और गुजरात में सूरजमुखी, सोयाबीन, बिनौला, मूंगफली जैसे अन्य तेलों की अधिक खपत है। भावों में बेतहाशा बढ़ोतरी होने से भी सरसों तेल की मांग कम हुई है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में गुरुवार 1 सितंबर को सरसों तेल का भाव 154 रुपये प्रति लीटर है। कल 31 अगस्त को भी उत्तर प्रदेश में सरसों तेल का दाम 171 रुपये लीटर था। यानि आज सरसों तेल का रेट कम हुआ है। कुछ महीने पहले सरसों के तेल के दाम 210 रुपये तक पहुंच गए थे। उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद में सरसों का आज का भाव 160 रुपये लीटर है। वहीं राजधानी लखनऊ में यह 154 रुपये लीटर बिक रहा है। मेरठ में 170 रुपये, अलीगढ़ में 144 रुपये लीटर और कानपुर में 200 रुपये लीटर बिक रहा है। गौतमबुद्ध नगर में 160 रुपये और रायबरेली में 156 रुपये लीटर सरसों का तेल बिक रहा है।

देश में पिछले कुछ समय से सरसों के दाम भी कम हुए हैं। एक बार 8 हजार रुपये क्विंटल को पार कर चुके सरसों के रेट अब 6000-6500 रुपये के दायरे में चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरसों का भाव 6100 रुपये क्विंटल है। वहीं हरियाणा में सरसों का एवरेट रेट 5750 रुपये क्विंटल है। इसी तरह मध्यप्रदेश में भी सरसों 6000 रुपये क्विंटल तक बिक रही है।

ईपीएफ के लिए योग्य हर व्यक्ति ईपीएस के लिए होता है पात्र

- कर्मचारी की मौत के बाद ईपीएस से पेंशन लेने के लिए जमा करने होते हैं कौन से दस्तावेज?

नई दिल्ली ।

ईपीएफ (इंप्लॉइज प्रोविडेंट फंड) के लिए योग्य हर व्यक्ति ईपीएस (इंप्लॉइज प्रोविडेंट स्कीम) के लिए पात्र होता है। इसे भी ईपीएफओ द्वारा ही मैनेज किया जाता है। इस योजना के तहत रिटायरमेंट के बाद खाताधरक को हर महीने की पेंशन, नौकरी के दौरान पूरी तरह विकलांग होने पर पेंशन व कर्मचारी (खाताधारक) की मृत्यु पर परिवार को पेंशन दी जाती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए खाताधारक कम-से-कम 10 साल नौकरी में होना चाहिए। इससे 58 वर्ष की आयु के बाद पेंशन मिलना शुरू हो जाती है। आप 50 की आयु में भी इस अकाउंट से पैसा निकालना शुरू कर सकते हैं लेकिन यह पूरी राशि नहीं होगी। अगर आप 60 साल के बाद पेंशन लेते हैं तो तय पेंशन में अतिरिक्त 4 फीसदी रकम मिलेगी। जैसा कि हमने आपको बताया इस योजना में कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार को पेंशन मिलती है तो ऐसे कौन से दस्तावेज हैं जिनकी जरूरत परिवार को पेंशन लेने के लिए पड़ेगी। आइए जानते हैं। आपको मृतक का डेथ सर्टिफिकेट, जिन लोगों को पेंशन की रकम मिलनी है उनकी आधार कार्ड की कापी, उनके बैंक खातों की जानकारी, एक ओरिजिनल कैंसिल चेक या बेनिफिशियरी के बैंक पासबुक की अटेस्टेड कॉपी की जरूरत होती है। इसके अलावा अगर बेनिफिशयरी नाबालिग है तो उसका आयु प्रमाण पत्र भी देना होगा। इस योजना के तहत विधवा, बाल और अनाथ पेंशन मिलती है । विधवा पेंशन में हर महीने 6,200 रुपए तक पेंशन मिल सकती है। इसके तहत न्यूनतम पेंशन अब 1,000 रुपए है। पेंशन की रकम कर्मचारी द्वारा जमा की राशि पर निर्भर करती है। बाल पेंशन तब तक दी जाती है जब तक बच्चे 25 साल के नहीं हो जाते। अगर बच्चे विकलांग हैं तो उन्हें आजीवन पेंशन मिलती है। इसमें विधवा पेंशन का 25 फीसदी भुगतान किया जाता है और यह अधिकतम 2 बच्चों को मिलता है। अनाथ पेंशन भी 25 की उम्र तक मिलती है लेकिन यहां विधवा पेंशन का 75 फीसदी हिस्सा दिया जाता है। नियोक्ता द्वारा बेसिक सैलरी और डीए का 3.67 फीसदी ईपीएफ में जाता है जबकि कर्मचारी द्वारा बेसिक और डीए का 8.33 हिस्सा ईपीएस में भेजा जाता है.

जडेजा , सूर्यकुमार ओर विराट ने बनाये रिकार्ड

दुबई । भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने यहां एशिया कप क्रिकेट में हांगकांग के खिलाफ हुए मैच में अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। जडेजा ने हांगकांग के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में केवल 15 रन देकर एक विकेट लिया। इसी के साथ ही वह एशिया कप में भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड इरफान पठान के नाम था। एशिया कप में अब तक केवल 2 भारतीय गेंदबाजों ने ही 20 से अधिक विकेट लिए हैं। जडेजा ने अब तक 20 मुकाबले खेलकर 27 की औसत से 23 विकेट लिए। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 29 रन देकर 4 विकेट लेना रहा है। वहीं पठान ने 12 मैच में 22 विकेट लिए है। इसमें उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 32 रन देकर 4 विकेट रहा है। वहीं आर अश्विन 18 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो सूर्यकुमार यादव ने हांगकांग के खिलाफ 20वें ओवर में 4 छक्के लगाकर 26 रन बनाये हैं। इस प्रकार सूर्यकुमार टी20 में 20वें ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड रोहित के नाम था। रोहित ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 20वें ओवर में 19 रन बनाये थे। वहीं दीपक चाहर ने भी साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 रन बनाए थे।

एशिया कप में रविवार को फिर हो सकता है भारत-पाक महामुकाबला

दुबई ।

एशिया कप में हांगकांग पर जीत के साथ ही भारतीय टीम ग्रुप ए से सुपर 4 में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गयी है। वहीं ग्रुप बी से अफगानिस्तान पहले ही सुपर-4 में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को हराया था। वहीं अफगानिस्तान ने बांग्लादेश और श्रीलंका का हराया है। अब भारतीय टीम का मुकाबला रविवार को पाकिस्तान से होना तय नजर आ रहा है क्योंकि इससे पहले पाक टीम को शुक्रवार को हांगकांग से खेलना है और हांगकांग की टीम इसमें अलटफेर कर सकें इसकी संभावनाएं नहीं के बराबरी हैं। ऐसे में पाक टीम हांगकांग पर जीत के साथ ही सुपर-4 में भारत से खेलने की दावेदार बन जाएगी। दोनो देशों के बीच होने वाले मुकाबले बेहद रोमांचक होते हैं। ऐसे में प्रशंसकों को इस मैच का भी बेसब्री से भी इंतजार रहेगा। भारतीय टीम जहां इस मैच में एक और जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं पाक टीम अपनी पिछ्ली हार का हिसाब बराबर करने उतरेगी। दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण इनकी टीमों का मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंटों में ही होता है और द्विपक्षीय सीरीज नहीं होती है। जिससे इन मुकाबलों को लेकर प्रशंसकों का उत्साह ओर भी बढ़ जाता है।

ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा तीसरी टीम हांगकांग है। नई टीम होने के कारण हांगकांग कमजोर है। भारतीय टीम ने जिस प्रकार उसे आसानी से हराया है। उसको देखते हुए हांगकांग से पाक टीम को जीत में शायद ही कोई परेशानी हो।

एशिया कप 2022: सुपर फोर मुकाबलः

3 सितंबरः बी1 बनाम बी2, शारजाह - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

4 सितंबरः ए1 बनाम ए 2, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

6 सितंबरः ए1 बनाम बी1, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

7 सितंबरः ए2, बनाम बी2, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

8 सितंबरः ए1 बनाम बी2, दुबई - शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)

9 सितंबरः बी1बनाम ए2, दुबई- शाम 7:30 बजे(भारतीय समयानुसार)

फाइनलः

11 सितंबरः फाइनल, दुबई- शाम 7:30 बजे (भारतीय समयानुसार)।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं :

भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और आवेश खान.

पाकिस्तान टीमः बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), आसिफ अली, फखर जमां, हैदर अली, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, शाहबाज धानी और उस्मान कादिर।

जापान ओपन : प्रणय क्वार्टरफाइनल में, श्रीकांत बाहर

ओसाका ।

भारत के स्टार शटलर एच.एस. प्रणय ने गुरुवार को जापान ओपन 2022 में सिंगापुर के लोह कीन यू को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली, जबकि उनके हमवतन किदांबी श्रीकांत जापान के कांटा सुनीयामा से प्री-क्वार्टरफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। राष्ट्रमंडल खेल 2018 के गोल्ड मेडलिस्ट प्रणय ने शीर्ष-16 मैच में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले कीन यू को सीधे 22-20, 21-19 से मात दी। क्वार्टरफाइनल में प्रणय का मुकाबला ताइवान के चाउ तियेन चैन से होगा। सिंगापुर के कीन यू ने प्रणय के खिलाफ दोनों गेमों में अच्छी शुरुआत की लेकिन एक बार भी जीत हासिल नहीं कर सके। प्रणय ने पहले गेम में 11-17 से पिछड़ने के बाद और दूसरे गेम में 4-11 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दोनों गेम जीते। प्रणय जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारत के लिए पदक की एकलौती आश हैं, क्योंकि उनके हमवतन श्रीकांत जापान के सुनेयामा से हारकर बाहर हो गये हैं। दोनों खिलाड़ी पहली बार एक दूसरे का सामना कर रहे थे, जहां विश्व रैंकिंग के नंबर 17 सुनेयामा ने 14वीं रैंकिंग के श्रीकांत को 40 मिनट चले मैच में 21-16, 21-10 से मात दी। दुनिया के पूर्व नंबर एक और राष्ट्रमंडल खेलों के 2022 के कांस्य पदक विजेता किदांबी श्रीकांत ने पिछले दौर में ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली जी जिया को हराने के लिए कड़ी मेहनत की थी, लेकिन इस मैच में वह सुनायामा को चुनौती नहीं दे सके और दो गेम में हार गए।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम : हरमनप्रीत

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम आजकल 28 अक्टूबर से शुरू हो रही एफआईएच हॉकी प्रो लीग की तैयारियों में लगी है। इसके लिए टीम भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में बने शिविर में भाग ले रही है। इस शिविर में शामिल ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि टीम को प्रो लीग के लिए अपने गोल करने के प्रयासो (फिनिशिंग) कौशल को बेहतर बनाना होगा। हरमनप्रीत ने कहा, ' अभ्यास सत्र में हमारा ध्यान हमेशा ही अपनी फिनिशिंग में सुधार और खिलाड़ियों के बीच समन्वय तथा संयोजन में सुधार पर रहेगा है। इस बात पर भी हमें ध्यान रखना होगा कि किस प्रकार बचाव करते हुए आक्रमण की ओर जाना हैं क्योंकि हमारे लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य हमेशा प्रत्येक मैच जीतना रहा है। विश्व कप से पहले हमारे पास ज्यादा समय नहीं बचा है। इसलिए टूर्नामेंट से पहले हमें जितने अधिक मैच खेलने को मिलेंगे उतना ही अधिक हमारे लिए लाभदायक रहेगा। विश्व कप अगले साल भारत में ही खेला जाएगा। गौरतलब है कि एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए पूल ड्रॉ आठ सितंबर को निकलेगा। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम अपनी राह में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हम विश्व कप ड्रॉ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। हमें उसके पहले अधिक से अधिक मैच खेलकर अपना प्रदर्शन बनाना है। जिससे हम किसी भी टीम के खिलाफ आसानी से खेल सकें। हमें खेल में अपनी ताकत बढ़ाने के साथ ही सकारात्मक रुख भी अपनाना होगा।

सचिन तेंदुलकर करेंगे रोड सेफ्टी विश्व सीरीज में इंडियन लीजेंड्स की अगुवाई

मुंबई ।

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर रोड सेफ्टी विश्व सीरीज के दूसरे सत्र में मौजूदा चैंपियन इंडिया लीजेंड्स की अगुवाई करेंगे। आयोजकों ने गुरुवार को यह घोषणा की। यह टूर्नामेंट 10 सितंबर से 22 दिन तक विभिन्न स्थलों पर खेला जाएगा। टूर्नामेंट का पहला मैच कानपुर में होगा जबकि रायपुर में दोनों सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिन दो अन्य स्थानों पर मैच खेले जाएंगे उनमें इंदौर और देहरादून शामिल हैं। टूर्नामेंट में इस बार न्यूजीलैंड लीजेंड्स की टीम भी भाग लेगी। देश और विश्व भर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के मुख्य उद्देश्य के साथ खेले जाने वाली इस प्रतियोगिता में भारत और न्यूजीलैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और इंग्लैंड की टीमें भी हिस्सा लेंगी। इस सीरीज को भारत सरकार के परिवहन मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय का समर्थन हासिल है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि रोड सेफ्टी विश्व सीरीज सामाजिक बदलाव में अहम भूमिका निभाएगी तथा सड़क और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों का नजरिया बदलने के लिए आदर्श मंच के रूप में काम करेगी।'

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'रोड सेफ्टी विश्व सीरीज क्रिकेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए बहुत अच्छी पहल है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं किस देश का प्रत्येक व्यक्ति जागरूक रहें और सड़क से जुड़े सभी नियमों और दिशा निर्देशों का पालन करें। इसके लिए हमें लोगों में जागरूकता पैदा करनी है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह सीरीज इसमें अहम भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त समाचार

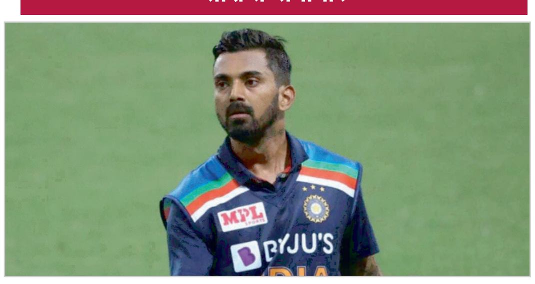

धीमी बल्लेबाजी के कारण निशाने पर आये राहुल

दुबई । टीम इंडिया के बल्लेबाज लोकेश राहुल हांगकांग के खिलाफ एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे ही टी20 मैच में अपनी धीमी बल्लेबाजी के कारण निशाने पर आये हैं। राहुल ने हांगकांग के खिलाफ दूसरे टी20 में 36 गेंदों पर 39 रन बनाये थे। इस दौरान वह एक भी चौका नहीं लगा पाये। इससे पहले राहुल पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में शून्य पर ही आउट हुए थे। पाक के खिलाफ मुकाबले से एक बार फिर यह देखने में आया कि राहुल अहम भुकाबलों में नाकाम रहे हैं। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने राहुल की बल्लेबाजी पर सवाल उठाये हैं। प्रसाद ने कहा कि राहुल से ऐसे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं थी। उन्होने कहा कि राहुल की धीमी बल्लेबाजी देखकर यह नहीं लग रहा था कि वह कोई टी20 मैच खेल रहे हैं। प्रसाद ने ट्वीट किया, 'क्या पिच में ऐसा कुछ था, जो समझ नहीं आ रहा था। राहुल से ऐसी उम्मीद बिलकुल नहीं की जा सकती है। उनका यह रुख सही नहीं है। ' वह एक भी चौका नहीं लगा पाये। वहीं राहुल की बल्लेबाजी देखकर एक यूजर ने लिखा, ' वह कभी भी एक अच्छे टी20 बल्लेबाज नहीं रहे हैं। वह अपनी धीमी बल्लेबाजी से हमेशा ही साथी बल्लेबाज पर दबाव बनाते रहे हैं। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि उनसे बेहतर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन हैं जबकि एक अन्य ने तंज कसा कि हांगकांग की कसी हुई गेंदबाजी के सामने राहुल ने जिम्मेदारी भरी पारी खेली।

पाक के खिलाफ मुकाबले में ऋषभ के नहीं होने से हैरान थे पोंटिंग

दुबई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टीम के पास कई बड़े खिलाड़ी है। यह इससे साबित होता है कि एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए अहम मुकाबले में ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी थी। उस मैच में ऋषभ पंत की जगह पर दिनेश कार्तिक को शामिल किया गया था। पोंटिंग ने कहा, 'मैं ऋषभ को बाहर किये जाने से बेहद हैरान था पर इसके बारे में मुझे आशंका थी क्योंकि सोशल मीडिया पर मैच से पहले चर्चा हो रही थी कि भारतीय टीम किन विकल्पों को आजमा सकती है। मुझे लगता है कि उन्हें छठे गेंदबाजी विकल्प की जरूरत थी। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि हाल के दिनों में कार्तिक के प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन के लिए अंतिम ग्याहर का चयन बेहद कठिन हो गया था। पिछले कुछ समय के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए कार्तिक को बाहर रखना संभव नहीं था। ऐसे में चयनकर्ताओं को कुछ बड़े फैसले करने ही पड़ते हैं जिसमें कठिन फैसले लेना जरुरी हो जाता है। जब आप ऋषभ जैसे खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं दे पा रहे हैं। तो समझा जा सकता है कि टीम में जगह के लिए कितनी कठिन प्रतिस्पर्धा है। पोंटिंग ने कहा कि विराट का पिछले दिनों खेल से ब्रेक लेने का निर्णय सही था। इससे उनकी बल्लेबाजी बेहतर होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीम , टिम भी शामिल

सिडनी ।

मेजबान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलिया की इस 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी आरोन फिंच करेंगे जबकि पैट कमिंस को उप कप्तान बनाया गया है। इस टीम में सिंगापुर मूल के ऑलराउंडर टिम डेविड को भी शामिल किया गया है। इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में मिचेल स्वेपसन को जगह नहीं मिली है। उनकी जगह टिम को मिली है। टीम को टीम में जगह देने की मांग पूर्व क्रिकटरों रिकी पॉन्टिंग, शेन वॉटसन और ब्रैड हॉग ने की थी। गौरतलब है कि टिम ने साल 2020 तक सिंगापुर की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है। इसके बाद से ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे हैं हालांकि उन्होंने आईपीएल सहित कई टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। साल 2021 में वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) टीम में शामिल थे। वहीं इस साल उन्हें मुंबई इंडियंस ने 8.25 करोड़ की राशि देकर अपनी टीम में शामिल किया है। टिम ने सिंगापुर की तरफ से 14 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 46.50 की औसत और 158 की स्ट्राइक रेट से 558 रन बनाए हैं। उनके नाम चार अर्धशतक हैं। इसके अलावा टीम ने पांच विकेट भी लिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम इस प्रकार हैः आरोन फिंच (कप्तान), पैट कमिंस (उप कप्तान), एश्टन एगर, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिश, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल. केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर और एडम जंपा।

विराट के अर्धशतक पर आईपीएल टीमों ने मनायी खुशी

मुम्बई ।

टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने लंबे समय के बाद अर्धशतक लगाया है। यह टी20 क्रिकेट में विराट का 31वां अर्धशतक था। विराट ने एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ यह अर्धशतक लगाया है। ऐसे में उनकी इस शानदार पारी की खुशी सभी आईपीएल टीमों ने भी मनायी है। विराट की आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) ने ट्वीट किया, विराट ने बनाया अपना 31वां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक! तालियों के इमोजी। विराट लंबे समय तक आरसीबी के कप्तान रहे हैं हालांकि वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये। वहीं सबसे ज्यादा बार आईपीएल विजेता रही मुंबई इंडियंस ने विराट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कोहली का शानदार अर्धशतक। इसके साथ ही उन्होंने ताली का इमोजी भी बनाया। वहीं एक अन्य टीम पंजाब किंग्स ने भी विराट कोहली की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 50 महान शख्स के लिए। किंग्स ने विराट का नाम लिखकर हाथ जोड़ने का एक इमोजी भी बनाया। इसके अलावा आईपीएल के 15 वें सत्र की विजेता टीम गुजरात टाइटन्स ने भी विराट के अर्धशतक का शानदार जश्न मनाते हुए लिखा, एक और टी20 अंतरराष्ट्रीय 50 किंग के लिए। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद ने ट्वीट करते हुए लिखा, विराट का 31वां टी20 अर्धशतक। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स ने ट्वीट किया, विराट वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने विराट की शॉट खेलते हुए की एक तस्वीर भी साझा की। चेन्नई सुपर किंग्स ने भी विराट के अर्धशतक की खुशी अपने ट्विटर पर मनायी। उन्होंने विराट की तारीफ करते हुए ट्वीट किया, शब्दों के विराट! जब शब्द विफल हो जाते हैं, तो सीटी बज जाती है। आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने विराट के अर्धशतक पर ट्वीट करते हुए लिखा , यह हुई ना बात। इसके साथ ही उन्होंने ताली का इमोजी और दिल का इमोजी भी बनाया है।

हांगकांग और मकाऊ ओपन रद्द

कुआलालंपुर । कोरोना संक्रमण के खतरे के कारण हांगकांग ओपन सुपर 500 ओर मकाउ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट रद्द हो गये हैं। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने इन दोनो ही टूर्नामेंटों को रद्द किये जाने की घोषणा करते हुए कहा कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सेहत से समझौता नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही कहा कि इन दोनो ही देशों में कोरोना संक्रमण के कारण कड़े प्रतिबंध लगे हैं जिसको देखते हुए टूर्नामेंटों के आयोजन में कई प्रकार की समस्याएं आ रहीं थीं। मकाउ ओपन जहां एक से छह नवंबर जबकि हांगकांग ओपन का आयोजन आठ से 13 नवंबर के बीच होना तय हुआ था। बीडब्ल्यूएफ के अनुसार इन दोनो ही देशों के बैडमिंटन संघों को बता दिया गया है इन हालातों में टूर्नामेंटों का आयोजन संभवन नहीं है। साथ ही कहा कि इस सप्ताह होने वाले जापान ओपन के बाद विश्व टूर के शेष मैच अगले माह अक्टूबर में यूरोप में आयोजित किये जाएंगे। ये मैच डेनमार्क, फ्रांस और जर्मनी में खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल लेकिन असंभव नहीं: भूटिया

नयी दिल्ली,

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के दो सितंबर को होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए चुनौती पेश कर रहे पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया ने कहा कि भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के विश्व कप में क्वालीफाई करने की राह काफी मुश्किल है लेकिन यह असंभव नहीं है। भूटिया ने कहा कि मौजूदा स्तर को देखते हुए भारतीय टीम के लिए विश्व कप में जगह बनाना आसान नहीं है लेकिन यह असंभव भी नहीं है। निकट भविष्य में भारतीय टीम के विश्व कप में क्वालीफाई करने से जुड़े सवाल के जवाब में भूटिया ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो भारतीय टीम के मौजूदा स्तर को देखते हुए यह बिलकुल भी आसान नहीं होने वाला लेकिन यह असंभव भी नहीं है। हमें अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा और इसके लिए जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को तैयार करने की जरूरत है।'' उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''हमें जमीनी स्तर पर अधिक टूर्नामेंट आयोजित करने और अधिक कोच तैयार करने की जरूरत है। राज्य संघों को वित्तीय रूप से मजबूत करना होगा जबकि संन्यास ले चुके पूर्व खिलाड़ियों को कोचिंग से जोड़ने की जरूरत है जिससे कि उनके अनुभव का फायदा उठाया जा सके।'' भूटिया ने साथ ही एक बार फिर दोहराया कि अगर वह एआईएफएफ चुनाव में जीत दर्ज करते हैं तो वह संस्थान को सफलतापूर्वक संचालित करने की काबिलियत रखते हैं। भूटिया और पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे अध्यक्ष पद की दौड़ में आमने-सामने हैं। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व गोलकीपर चौबे बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं और उन्हें गुजरात तथा अरुणाचल प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों से समर्थन मिलने के कारण प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भूटिया ने कहा, ''मैं अध्यक्ष पद के लिए सक्षम दावेदार हूं। मैं विभिन्न स्तर पर फुटबॉल से जुड़ा रहा हूं और मेरा अनुभव एआईएफएफ के काफी काम आ सकता है। मैं एआईएफएफ से पहले भी जुड़ा रहा हूं इसलिए मुझे अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में कोई समस्या नहीं होगी।'' भूटिया ने कहा कि एआईएफएफ पर लगा फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा का प्रतिबंध हटने के बाद अब पूरा ध्यान फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की सफल मेजबानी पर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप काफी प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है और एआईएफएफ पर लगा प्रतिबंध हटने तथा इस टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर संदेह के बादल छटने के बाद प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर ध्यान लगाया जाना चाहिए।''

ओसाका में जापान ओपन बैडमिंटन में थाईलैंड की बेनयापा और नूनटेकरन चीनी जोड़ी के खिलाफ उत्साहित नजर आयी।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

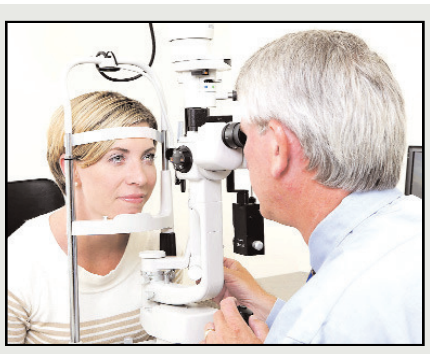

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं
अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक की पत्नी को भ्रष्टाचार के मामले में 10 साल की सजा

कुआलालंपुर। मलेशिया की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक की पत्नी रोस्माह मंसूर को अपने पति के कार्यकाल में रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराने के बाद बृहस्पतिवार को 10 साल की सजा सुनाई। नजीब को पहले ही मलेशियाई विकास बरहाद कोष (1एमडीबी) के सरकारी धन के गबन के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है और पिछले सप्ताह उन्हें जेल भेज दिया गया था। उन्हें पांच में से भ्रष्टाचार के एक मामले में 12 साल की सजा सुनाई गई है। रोस्माह मंसूर को बोर्नियो द्वीप के स्कूलों को सौर ऊर्जा पैनल लगाने करने की परियोजना का काम एक कंपनी को दिलाने के लिए 2016 और 2017 के बीच 65 लाख रिंगिट रिश्वत (15 लाख अमेरिकी डॉलर) मांगने और उसे स्वीकार करने के तीन मामलों में दोषी ठहराया गया। अदालत ने उन्हें हर एक मामले में 10-10 साल की सजा सुनाई और उन पर 97 करोड़ रिंगिट का जुर्माना भी लगाया। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। शीर्ष अदालतों में उनकी अपील लंबित होने तक वह जमानत के लिए गुहार लगा सकती हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मोहम्मद जैनी मजलान ने कहा कि अभियोजकों ने यह साबित कर दिया है कि रोस्माह मंसूर ने रिश्वत मांगी और उसे स्वीकार भी किया था।

अबू धाबी: तकनीकी खराबी के कारण छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट जख्मी

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में बुधवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस के मुताबिक, इस दुर्घटना में पायलट जख्मी हो गया लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि विमान अबू धाबी में स्थित शेख जायद ग्रैंड मस्जिद के पार्किंग स्थल में चला गया। पुलिस ने घटना की वजह तकनीकी खराबी बताई है और पायलट मामूली रूप से जख्मी हुआ है जिसका इलाज किया जा रहा है।

पाकिस्तान में बाढ़ ग्रस्त इलाकों में जलजनित बीमारियां का संक्रमण बढ़ा

इस्लामाबाद । भीषण बाढ़ अपदा से जूझ रहे पाकिस्तान में प्रभावित इलाकों में जलजनित बीमारियों के फैलने के खतरे के मद्देनजर अधिकारियों ने लोगों तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सरकार द्वारा देश भर में लगाए गए राहत शिविरों में लोग डायरिया, त्वचा संबंधी बीमारियों और आंखों में संक्रमण से प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांतों में से एक सिंध में पिछले 24 घंटे में डायरिया के 90,000 से ज्यादा मामले आए हैं।

एक दिन पहले पाकिस्तान और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बाढ़ प्रभावितों के बीच जलजनित बीमारियों के फैलने पर चिंता प्रकट की थी। पाकिस्तान ने समय पूर्व मॉनसून और भारी बारिश के लिए जलवायु परिवर्तन को मुख्य कारण बताया है। जून के बाद से अचानक आई बाढ़ में 1191 लोगों की मौत हुई है और 3 I3 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 10 लाख मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में बाढ़ का पानी कम होता जा रहा है, लेकिन सिंध प्रांत के दक्षिणी हिस्से में कई जिलों में अब भी पानी नहीं घटा है। बाढ़ से विस्थापित हुए लगभग पांच लाख लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। सिंध के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अजरा फजल पेचुहो ने कहा कि प्रांत में बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित लोगों के इलाज के लिए हजारों चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं। मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को भी तैनात किया गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि वह डायरिया, हैजा और अन्य संक्रामक रोगों के लिए निगरानी बढ़ा रहा है और स्वास्थ्य केंद्रों को चिकित्सा आपूर्ति प्रदान कर रहा है।

गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे पुतिन, श्रद्धांजलि दी

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने पहले से तय कार्यक्रम के कारण सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के सप्ताहांत में होने वाले अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होने वाले हैं। हालांकि उन्होंने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी है। क्रेमलिन ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने बताया कि पुतिन मॉस्को के उस अस्पताल में गए, जहां गोर्बाचेव की पार्थिव देह को रखा गया है। पुतिन अपने पहले से तय कार्यक्रम के कारण शनिवार को अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन उन्होंने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी है।

ऋषि सुनक चुनाव प्रचार से जुड़े अंतिम कार्यक्रम में माता-पिता और पत्नी का आभार जताया

लंदन । ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी के नए नेता पद और प्रधानमंत्री पद के प्रबल उम्मीदवार ऋषि सुनक ने चुनाव प्रचार से जुड़े अंतिम कार्यक्रम में अपने माता-पिता तथा पत्नी अक्षता मूर्ति का, उनके सहयोग के लिए आभार जताया। लंदन के विम्बले में कार्यक्रम में लोगों ने ''ऋषि-ऋषि' के नारे लगाए। गर्मजोशी भरे स्वागत से यह तब साफ था कि कम से कम इन दर्शकों के लिए सुनक ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद पर बोरिस जॉनसन का स्थान लेने के लिए मुकाबले में सबसे आगे हैं। सुनक ने कहा, चुनाव का यह अंतिम कार्यक्रम मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि जन सेवा में आने के लिए मुझे प्रेरित करने वाले दो शख्स आज यहां मौजूद हैं, मेरी मां और पिता।'' इसके बाद कैमरा सबसे आगे की पंक्ति में बैठे उनके चिकित्सक पिता यशवीर तथा फार्मासिस्ट मां ऊषा की ओर मुड़ गया। उनके साथ सुनक की पत्नी भी बैठी हुई थीं। सुनक ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, ''उन्होंने लोगों के लिए जो किया, उसने मुझे राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया। अपने बच्चों को बेहतर जिंदगी देने की कोशिश तथा उनके लिए हमेशा त्याग देने के लिए मां, पिता आपका धन्यवाद। मुझे यह सिखाने के लिए भी आपका शुक्रिया कि कड़ी मेहनत तथा विश्वास और परिवार के प्यार से आप अपने महान देश के लिए कुछ भी हासिल कर सकते हैं।'' अपनी पत्नी को अद्भुत, प्यार करने वाली, विनम्र'' बताते हुए सुनक ने पढ़ाई के दौरान की अपनी प्रेम कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, तुम जानती हो कि तुम मेरे लिए कितना मायने रखती हो और मैं इस बात का बहुत आभारी हूं कि 18 साल पहले तुमने मुझे चुना था। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल सुनक तथा उनकी प्रतिद्वंद्वी लिस ट्रस ने महंगाई, अपराध से लड़ने, कर और आव्रजन सुधारों तथा विदेश नीति की प्राथमिकताओं पर अपने नजरिए से टोरी के उन सदस्यों को राजी करने की आखिरी कोशिश की, जिन्होंने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि वे किसे वोट दे। ब्रिटेन का ''पहला अश्वेत प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में सबसे बड़ा बलिदान देने के एक सवाल के जवाब में सुनक ने कहा, ''मैंने जो सबसे बड़ा त्याग किया है, वह यह है कि मैं पिछले कुछ वर्षों से एक पति तथा पिता के रूप में अपनी भूमिका अच्छी तरह नहीं निभा पा रहा हूं। यह मेरे लिए वाकई बहुत मुश्किल है क्योंकि मैं अपने बच्चों तथा पत्नी से बहुत प्यार करता हूं और दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में उनकी जिंदगियों में मेरी मौजूदगी थोड़ी कम हो गई है।'' उन्होंने कहा, लेकिन चूंकि मुझे लगता है कि ये काम करना बहुत बड़ा विशेषाधिकार है। मैं अपने देश की बहुत परवाह करता हूं तथा मुझे लगता है कि मैं देश को ऐसा कुछ दे सकता हूं, जिससे लाखों लोगों को फायदा मिलेगा।

सऊदी अरब में महिला ने किया सोशल मीडिया पर पोस्ट, सुनाई 45 साल की जेल की सजा

रियाद । सऊदी अरब में महिला को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की इतनी बड़ी कीमत चुकानी होगी, यह कभी महिला ने सपने में भी नहीं सोचा होगा। दरअसल, सऊदी अरब की अदालत ने उस महिला को सोशल मीडिया पर देश को नुकसान पहुंचाने के आरोप में 45 साल जेल की सजा सुनाई है। एक महीने के अंदर सऊदी अरब में इस तरह का यह दूसरा मामला है। इसके पहले भी एक महिला को इतनी ही साल की सुनाई गई है। नॉरा बिन्त सईद अल-खातनी को सामाजिक ताने-बाने को अस्थिर करने और समाज के सामंजस्य को बाधित करने के आरोप में लगभग आधी सदी तक जेल में गुजारन होगा। नॉरा देश की सबसे बड़ी जनजातीय समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। उनका सामजिक कार्यकर्ता होने का कोई इतिहास भी नहीं है। कोर्ट में नॉरा पर सोशल मीडिया के इस्तेमाल का आरोप है। कोर्ट के फैसले की मानवाधिकार संस्थाओं ने निंदा की है। मानवाधिकार संगठनों के पूछने पर सऊदी अधिकारियों ने विवरण नहीं दिया। नॉरा को आतंकवादरोधी और साइबरक्राइम कानूनों के तहत सजा सुनाई गई है। जज ने महिला को सार्वजनिक आदेश को सूचना नेटवर्क के माध्यम से उल्लंघन करने का दोषी पाया। मानवाधिकार संगठन ने कहा है, कि यह साफ नहीं है कि नॉरा ने क्या ऑनलाइन पोस्ट किया था। उसकी सुनवाई वाले स्थान की भी जानकारी नहीं मिली है। संगठन के रिसर्च डायरेक्टर अब्दुल्लाह अलॉध ने कहा, यह नए जजों द्वारा सजा और दोषसिद्धि की एक नई लहर की शुरुआत की तरह है, जिन्हें विशेष आपराधिक अदालत में नियुक्त किया जा रहा है।

स्पेन में एक दूसरे पर टमाटर फेंकने के समारोह में भाग लेते हुए लोग।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष देगा आर्थिक मदद, सुधरेगी बदहाल हो चुके श्रीलंका की हालात

कोलंबो । आर्थिक संकटों से बदहाल श्रीलंका ने लगभग 2.9 अरब डॉलर के कर्ज के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ शुरुआती समझौता किया है। आईएमएफ ने इसकी जानकारी दी है। आईएमएफ की विस्तारित फंड सुविधा के तहत दी जाने वाली 48 महीने की इस लंबी कर्ज व्यवस्था का उल्लेख कर बयान में कहा गया है कि श्रीलंका के लिए नए फंड समर्थन प्रोग्राम का उद्देश्य व्यापक आर्थिक स्थिरता और कर्ज स्थिरता को बहाल करना है। ये पूरा समझौता श्रीलंका के अधिकारियों के पहले से सहमत उपायों को लागू करने पर भी निर्भर है। निजी लेनदारों के साथ एक सहयोगी समझौते तक पहुंचने की कोशिश सुनिश्चित करने के लिए आईएमएफ को श्रीलंका के आधिकारिक कर्जदारों से वित्तीय आश्वासन हासिल करने की भी जरूरत है।

इस समझौते को आईएमएफ के प्रबंधन और उसके कार्यकारी बोर्ड से मंजूर किया जाना है। आईएमएफ के बयान में कहा गया है कि श्रीलंका के लेनदारों से ऋण राहत और बहुपक्षीय भागीदारों से अतिरिक्त फंड की जरूरत होगी ताकि कर्ज स्थिरता सुनिश्चित करने और फंड की कमी को दूर करने में मदद मिल सके। आईएमएफ के इस कर्ज कार्यक्रम का लक्ष्य राजकोष को ठोस बनाने, ईंधन और बिजली के लिए नई कीमतें तय करना, सामाजिक खर्च में वृद्धि, केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता को मजबूत करने और देश के खत्म हो गए विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने के लिए सरकारी राजस्व बढ़ाना होगा।

पुतिन की कूटनीति का दिखा असर, भारत और चीन रुस के साथ कर रहे सैन्याभ्यास

अमेरिका के लिए बना चिंता का विषय

लंदन। (एजेंसी)।

रूस में भारत और चीन सहित कई देशों का सैन्याभ्यास चल रहा है। 1 सितंबर से शुरू हुआ यह अभ्यास 7 तारीख तक चलेगा है, जिसमें 50 हजार सैनिक और 5,000 बड़े हथियार शामिल हो रहे हैं। यही नहीं 140 एयरक्राफ्ट्स और 60 जंगी जहाज भी इसका हिस्सा ले रहे हैं। रूस के सैन्याभ्यास को यूक्रेन से छिड़ी जंग के बीच दुनिया की बड़ी ताकतों को अपने पाले में लाने की सफल कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर इस मिलिट्री ड्रिल में भारत और चीन का एक साथ शामिल होना उसके लिए बड़ी कामयाबी है। माना जा रहा है कि रूस इस अभ्यास के जरिए एशिया में अमेरिका के अकेला पड़ने का संकेत देना चाहता है। बता दें कि यूक्रेन मसले पर भारत और चीन दोनों ने ही रूस की आलोचना नहीं की थी।

खासतौर पर भारत की चुप्पी को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने सवाल उठाया था और लोकतंत्र की दुहाई देते हुए समर्थन की मांग की थी। वोस्टोक-2022 वॉर गेम्स के नाम से होने वाली मिलिट्री ड्रिल ने अमेरिका की चिंताओं में इजाफा भी कर दिया है। पिछले दिनों ही अमेरिका ने कहा था कि रूस के साथ किसी भी देश का सैन्याभ्यास में शामिल होना चिंता की बात है। इस मिलिट्री ड्रिल में शंघाई कॉपरेशन ऑर्गनाइजेशन और रूस के नेतृत्व वाले संगठन एसटीओ में शामिल देश हिस्सा ले रहे हैं। अमेरिका ने बीते कुछ सालों में भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी बढ़ाई है, लेकिन उसके बाद भी भारतीय सेना का रूस जाना उसके लिए चिंता का सबब हो सकता है।

भारत के अनुसार पाकिस्तान और चीन के साथ निरंतर चल रहे सीमा विवाद और हथियारों के सप्लायर के तौर पर रूस की भूमिका अहम है। रूस के साथ भारत एस-400 मिसाइल डील को पूरा किया है और एक बार फिर से 30 फाइटर जेट्स की खरीद करने जा रहा है। इसके अलावा चीन का कहना है कि उसने अपनी थल, वायु और नौसेना को ड्रिल के लिए भेजा है। चीन ने कहा कि यह ड्रिल खासतौर पर पैसिफिक महासागर में अमेरिकी खतरे से निपटने पर फोकस करेगी। बता दें कि यूक्रेन पर रूसी हमले की एक बार भी चीन ने निंदा नहीं की है। इसके अलावा रूस ने भी ताइवान के मसले पर चीन का ही समर्थन किया है। इस तरह व्लादिमीर पुतिन ने मिलिट्री ड्रिल के बहाने एशिया में एक बड़ी लॉबिंग करने में सफलता पाई है।

तालिबान ने अमेरिकी सैनिकों की वापसी की पहली वर्षगांठ मनाई, बंदूक और बम के साथ परेड निकालकर मनाया जश्न

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को गए एक साल पूरे हो गए। तालिबान के लड़ाकों ने परेड निकालकर इसका जश्न मनाया। तालिबान ने 31 अगस्त के दिन को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। 20 साल के क्रूर युद्ध के बाद अफगानिस्तान से अमेरिकी नेतृत्व वाले सैनिकों की वापसी की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए राजधानी काबुल को रंगीन रोशनी से जगमगाया गया। देश के नए तालिबान राज में इस्लामी कानून को फिर से लागू किया गया है, जिसमें महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से बाहर कर दिया गया है।

अफगानिस्तान से पश्चिमी बलों की वापसी की एक साल की सालगिरह के मौके पर तालिबान आत्मघाती हमलावर दस्ते, तेल के कंटेनर में रखे बम और स्थानीय वर्दी में मोटरसाइकिल पर सवार पुराने गार्डो का प्रदर्शन किया। गया। समाचार एजेंसी डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान ने देश से अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो बलों की अराजक वापसी के दौरान छोड़े गए 7 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी सैन्य उपकरणों के साथ एक सैन्य परेड करके भी ताकत का प्रदर्शन किया।

प्रतिबंधों और गहराते मानवीय संकट के बावजूद कई अफगानों का कहना है कि उन्हें खुशी है कि तालिबान विद्रोह को प्रेरित करने वाली विदेशी ताकत चली गई है। काबुल के रहने वाले जलमई ने कहा, 'हमें खुशी है कि अल्लाह ने हमारे देश से काफिरों को छुटकारा दिलाया और इस्लामिक अमीरात की स्थापना हुई।' पिछले साल 31 अगस्त को शुरू हुई आधी रात को सैनिकों की वापसी ने अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध को समाप्त कर दिया।

पूर्व पीएम इमरान की अंतरिम जमानत की अवधि 12 सितंबर तक बढ़ी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने रैली के दौरान पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकाने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ दर्ज आतंकवाद के मामले में उनकी अंतरिम जमानत की अवधि 12 सितंबर तक बढ़ा दी। खबर के अनुसार न्यायाधीश राजा जवाद अब्बास हसन ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान को एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी। खान (69) के खिलाफ पिछले महीने इस्लामाबाद में एक सार्वजनिक रैली के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, निर्वाचन आयोग और राजनीतिक विरोधियों को 'धमकी' देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। खान ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों, एक महिला मजिस्ट्रेट, पाकिस्तान निर्वाचन आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपने सहयोगी शाहबाज गिल के साथ किये गये व्यवहार को लेकर मामला दर्ज कराने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इमरान बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद एटीसी पहुंचे और न्यायाधीश अब्बास ने अभियोजक को मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में जोड़े गए चार नए आरोपों में पीटीआई अध्यक्ष को अंतरिम जमानत देने का आदेश दिया। मामले की 12 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई में अंतिम दलीलें सुनी जायेंगी।

संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में दावा, चीन मुस्लिमों पर कर रहा अत्याचार, महिलाओं के साथ हो रहा दुष्कर्म

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार रिपोर्ट के मुताबिक चीन के शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों की हालत बहुत ज्यादा बदतर बनी हुई है। भले ही चीन विश्व संस्था में आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाने वाला नजर आता है, लेकिन यह चीन आतंकवाद के नाम पर मुस्लिमों का दमन कर रहा है। यूएन की चीन को लेकर एक मानवाधिकार रिपोर्ट जारी की गई है जिसमें दावा किया गया है कि चीन आतंकवाद व उग्रवाद के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर अत्याचार कर रहा है।

चीन के शिनजियांग मुस्लिम महिलाओं से बलात्कार के मामले भी सामने आ रहे हैं और पुरुषों की जबरदस्ती नसबंदी की जा रही है।संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार आयुक्त मिशेल बैचलेट ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन 31 अगस्त को चीन में मानवाधिकारों को लेकर एक रिपोर्ट जारी की। हालांकि, चीन ने रिपोर्ट में किए गए सभी दावों को खारिज कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार रिपोर्ट में चीन पर गंभीर मानवाधिकार का उल्लंघन करने का दावा किया गया है। चीन मानवता के खिलाफ कई अपराध किए जा रहा हैं। चीन के सुदूर शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों के हालात को लेकर 48 पेज की रिपोर्ट तैयार कि गई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन से उईगर मुसलमानों की बड़ी संख्या लापता हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उइगर और अन्य प्रमुख मुस्लिम जातियों के सदस्यों के मौलिक अधिकारों का हनन करना मानवता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने बड़ी संख्या में उईगर मुस्लिमों को जबरन बंदी बनाकर रखा हुआ है। उईगर के बंदी शिविरों में लगभग 10 लाख लोग कैद में हैं। यूएन ने अपनी रिपोर्ट में चीन से अपील की है कि वह अवैध और मनमाने ढंग से जेल में बंद उईगर मुस्लिमों को रिहा कर दें। हालांकि, चीन ने इस रिपोर्ट में किए गए सभी दावों को गलत बताया है और कहा है कि यह सब केवल चीन को बदनाम करने और देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है।

भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर ने पीएम मोदी, आंध्र के सीएम रेड्डी, गौतम अडानी के खिलाफ दायर किया मुकदमा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारतीय मूल के एक अमेरिकी चिकित्सक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी और दिग्गज करोबारी गौतम अडाणी के खिलाफ भ्रष्टाचार, पेगासस स्पाइवेयर के इस्तेमाल तथा अन्य मुद्दों को लेकर एक वाद दायर किया है। कोलंबिया के 'यूएस डिस्ट्रिक कोर्ट' ने इन सभी लोगों को समन जारी किए हैं। न्यूयॉर्क के प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी अटॉर्नी रवि बत्रा ने इसे 'व्यर्थ का मुकदमा' करार दिया। रिचमंड के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ लोकेश वुयुरु ने यह वाद प्रधानमंत्री मोदी, रेड्डी और अडाणी के खिलाफ दायर किया है।

इस वाद में 'वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम' के अध्यक्ष तथा संस्थापक प्रोफेसर क्लॉस श्वाब का भी नाम शामिल है। आंध्र प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले चिकित्सक ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री मोदी, रेड्डी, अडाणी तथा अन्य लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं जिसमें अमेरिका में बड़े पैमाने पर नकदी हस्तांतरण और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस का इस्तेमाल शामिल है। हालांकि चिकित्सक ने इस संबंध में कोई साक्ष्य नहीं पेश किए हैं। चिकित्सक ने वाद 24 मई को दायर किया था, जिसके बाद अदालत ने 22 जुलाई को समन जारी किए। भारत में उन्हें ये समन चार अगस्त को और श्वाब को स्विट्जरलैंड में दो अगस्त को समन दिया गया। इस मामले के बारे में पूछे जाने पर बत्रा ने कहा कि चिकित्सक के पास फिजूल का बहुत वक्त है। उन्होंने कहा कि यह 'व्यर्थ का मुकदमा है।

स्वेज नहर में फिर फंसा जहाज, अधिकारियों ने पांच घंटे की मेहनत से निकाला

काहिरा (एजेंसी)।

मिस्र की स्वेज नहर फिर चर्चा में आ गई है। फिर इसके सुर्खियों में आने की वजह एक जहाज है, जो नहर में फंस गया था। मिस्र की स्वेज कैनाल में फंसे एक टैंकर को टग बोट्स की मदद से देर रात निकाल लिया गया। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया कि जहाज ने कैनाल के दक्षिणी हिस्से को ब्लॉक किया था, लेकिन कुछ देर बाद कैनाल में आवागमन दोबारा शुरू हो गया। एसीए की तरफ से फिलहाल घटना के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया गया है। शिप मॉनिटरिंग सर्विस टैंकर ट्रैकर्स के मुताबिक, ऐसा प्रतीत होता है कि अफ्रामैक्स टैंकर एफिनिटी वी ने दक्षिण की ओर बढ़ते वक्त अपना नियंत्रण खो दिया था। टैंकर ट्रैकर्स ने कहा कि जहाज ने अस्थायी रूप से ट्रैफिक को रोक दिया था जो अब दुबारा दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इसकी रफ्तार अब धीमे है। इस ऑयल टैंकर पर सिंगापुर का झंडा लगा हुआ था जो नहर के सिंगल लेन स्ट्रेच में फंस गया था और पांच टग बोट की मदद से इस निकाला गया। स्वेज कैनाल अथॉरिटी के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि जहाज स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7-15 बजे कैनाल में फंस गया था और लगभग पांच घंटे बाद इस निकाला गया। कैनाल में जहाज के फंसने से लोग इसकारण घबरा गए क्योंकि पिछले साल मार्च में इसी तरह का एक मालवाहक जहाज नहर में फंस गया था।

सार समाचार

यूपी में मदरसों के सर्वे पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली। योगी आदित्यनाथ सरकार ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे का फैसला लिया है। सरकार के इस निर्णय पर विवाद भी छिड़ गया है और असदुद्दीन ओवैसी भी इसमें कूद गए हैं। योगी सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए ओवैसी ने कहा कि ऐसा ही है तो फिर आदेश जारी करना चाहिए कि अब कोई मुसलमान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का यह फैसला मनमाना है और मुसलमानों को शक की नजर से देखने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि यह छोटा एनआरसी जैसा फैसला है। ओवैसी ने कहा कि सरकार जिन मदरसों को कोई मदद नहीं देती है, उनकी जांच कराने का हक उसके पास नहीं है। ओवैसी ने कहा, 'निजी मदरसों से सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। उनका सर्वे आखिर सरकार क्यों करा रही है। मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त संस्थानों को ही सरकार मदद देती है और उनकी ही जांच करा सकती है।' हैदराबाद के सांसद ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 30 के तहत अल्पसंख्यकों को अपने संस्थान चलाने का हक है। उन्होंने कहा कि यह सर्वे नहीं है बल्कि छोटा एनआरसी है। वहीं इस पर विवाद छिड़ने के बाद योगी सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने सरकार का मकसद बताया है कि आखिर क्यों मदरसों के सर्वे का फैसला लिया गया है। दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि हम यह सर्वे इसलिए करना चाहते हैं ताकि छात्रों की संख्या पता हो। किसी भी तरह का डेटा हमारे सामने होगा, तभी तो हम योजनाओं को आसानी से तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले में एसपी और बीएसपी की ओर से भ्रम फैलाया जा रहा है। गौरतलब है कि यूपी में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे करवाया जाएगा। इसके लिए शासन के उप सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि 10 सितम्बर तक इस सर्वे के लिए टीम गठित की जाएगी, जिसमें संबंधित तहसील के उप जिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शामिल होंगे। यह सर्वे 5 अक्टूबर तक पूरा होना है और सरकार के पास 25 अक्टूबर तक यह डेटा जाएगा। सर्वे में बिना मान्यता के मदरसों की स्थापना का वर्ष, भूमि का विवरण, भवन की स्थिति, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की संख्या, पाठ्यक्रम, आय का स्रोत आदि की डिटेल होगी। मदरसों का सर्वे कराकर इन मदरसों का सम्पूर्ण विवरण प्राप्त किया जाएगा, जिससे मालूम हो सकेगा कि प्रदेश में कुल कितने प्रकार के मदरसे हैं। दानिश आजाद ने कहा कि यह एक सर्वे है ताकि विवरण हासिल हो सके। इसे किसी भी प्रकार की जांच ना समझा जाए।

यूपी के 20 जिलों में हो सकती हैं भारी बारिश, 1 से 7 सितंबर तक मौसम विभाग के अलर्ट

नई दिल्ली । मानसून सीजन खत्म होने की संभावित तारीख आ चुकी है। इस बीच कई राज्यों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। उत्तर में यूपी से लेकर दक्षिण में केरल तक बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने आने वाले दिनों को लेकर चेतावनी जारी की है। यूपी में मौसम का मिजाज तेजी के साथ बदल रहा है। यूपी में एक बार फिर से मानसून सक्रिय हुआ है। मौसम विभाग का अलर्ट है कि, 1 से 7 सितंबर तक यूपी के पूर्वांचल के कई जिलों में झमाझम बारिश होगी। मौसम विभाग की चेतावनी है कि, यूपी के 20 जिलों में भारी बारिश होगी। लखनउ सहित प्रदेश के कई जिलों में बारिश होगी। गुरुवार और शुक्रवार को तेज बारिश की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज और चमक के साथ तीन सितंबर तक बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिन जिलों के बारे में चेतावनी जारी हुई हैं, उसमें लखनऊ, मेरठ, गौतम बुद्ध नगर, पीलीभीत, बरेली, हाथरस, मैनपुरी, आगरा, झांसी, कानपुर नगर, औरैया, फुरसतगंज, फतेहपुर, प्रयागराज, बलिया, वाराणसी, मऊ, गोरखपुर, संत कबीर नगर और बहराइच शामिल हैं। मौसम विभाग का मानना है कि इन जिलों में 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती है। कुछ जिलों में आकाशीय बिजली की गरज के साथ बारिश हो सकती है। सावधानी बरतने की जरूरत है। मौसम से जुड़ी निजी एजेंसी के मुताबिक 1 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, बिहार के कुछ हिस्सों, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

सेना के साथ हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए

नई दिल्ली । बारामूला के सोपोर इलाके में सुरक्षा बलों के साथ रात भर चली मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू करने के बाद सोपोर शहर के बोमई इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया।

गोलीबारी में आम नागरिक भी घायल हुआ हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि दोनों आम नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहे थे। कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने ट्वीट किया, जैश-ए-मोहम्मद के मारे गए आतंकवादियों की पहचान सोपोर के मोहम्मद रफी और पुलवामा के कैसर अशरफ के रूप में हुई है। आतंकवादी रफी पर इससे पहले दो बार पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया था। दोनों कई आतंकी अपराधों में शामिल थे। सूचना के अनुसार वे सोपोर क्षेत्र में आम नागरिकों पर हमला करने की साजिश रच रहे थे।

जम्मू से ज्यादा पंजाब पर फोकस कर रहा पाकिस्तान

जम्मू। पाकिस्तान अब भारत के पंजाब राज्य पर ज्यादा फोकस कर रहा है। पाकिस्तान से पंजाब की तरफ आने वाले ड्रोनों की संख्या में इस साल जम्मू सेक्टर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अनुसार, इस साल जुलाई तक सीमा पार से उड़ान भरने वाले कुल 107 ड्रोन भारतीय क्षेत्र के अंदर देखे गए, जबकि पिछले पूरे साल 97 ड्रोन देखे गए थे। बीएसएफ ने 2021 में पूरे साल अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पाकिस्तान की ओर से आने वाले 97 ड्रोन देखे थे। इनमें से 64 पंजाब, 31 जम्मू में और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास दो ड्रोन प्रवेश करते देखे गए थे। 1 जनवरी 2022 से जुलाई तक, पाकिस्तान की ओर से 107 ड्रोन देखे गए। इनमें से 14 जम्मू और पंजाब सेक्टर में 93 ड्रोन आते देखे गए। वहीं इस दौरान जम्मू में एलओसी की तरफ एक भी ड्रोन दिखाई नहीं दिया। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन पाकिस्तान से आए हैं और इनका इस्तेमाल नशीले पदार्थ, हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद पहुंचाने में किया जाता है। बीएसएफ के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने वाले हर ड्रोन को मार गिराने के लिए कोई प्रभावी ड्रोन रोधी तकनीक उपलब्ध नहीं है, लेकिन जमीन पर मौजूद उनके जवान ड्रोन या सीमा पार करने वाली किसी भी हवाई वस्तु पर नजर रखते हैं। उन्होंने कहा, 卐न केवल जमीन पर, बल्कि हम आकाश पर भी नजर रखते हैं और बीएसएफ कर्मियों को अज्ञात यूएवी को मार गिराने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। कभी-कभी ड्रोन बचने के लिए अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं, हालांकि हम जमीन के करीब आने पर केवल गुनगुनाती आवाज से इसका पता लगाते हैं।

3 साल की बच्ची का 75 साल के बूढ़े शख्स ने किया 'डिजिटल रेप', उम्रकैद की मिली सजा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा के अकबर अली के रूप में पहचाने जाने वाले 75 वर्षीय व्यक्ति को 3 साल की बच्ची के साथ डिजिटल बलात्कार के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। घटना 2019 में उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 39 थाना क्षेत्र की है। लड़की के पिता द्वारा 21 जनवरी 2019 को अकबर अली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। विशेष लोक अभियोजक नीतू बिश्नोई ने एक बयान में कहा, 'शिकायतकर्ता ने कहा कि उस दिन सुबह 11 बजे उसकी बेटी अपने घर के बाहर खेल रही थी। अकबर ने उसे टॉफी का लालच दिया और अपने कमरे में ले गया। पीड़िता के पिता ने कहा, 'मेरी बेटी रोते हुए घर आई और अपनी मां को अपनी आपबीती बताई।'

बच्ची का किया डिजिटल रेप

उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 39 थाना क्षेत्र के सलारपुर गांव में सूरजपुर जिला एवं सत्र अदालत ने मंगलवार को 65 वर्षीय व्यक्ति को साढ़े तीन साल की बच्ची से डिजिटल रेप करने के जुर्म में उम्रकैद की सजा सुनाई। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा के एक गांव के मूल निवासी अकबर अली के रूप में हुई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार सिंह की अदालत ने सबूतों और आठ गवाहियों के आधार पर अली को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उस व्यक्ति पर (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फॉम सेक्सुअल ऑफेंस) और भारतीय दंड संहिता की धारा 375 और धारा 376 के तहत आरोप लगाए गए थे।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया पर 22 साल बाद भी सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव नजदीक हैं। इसी बीच मनीष तिवारी, आनंद शर्मा, कार्ति चिदंबरम और शशि थरूर जैसे नेता चुनाव में पारदर्शिता की बात कह चुके हैं। अब पार्टी के पुरान नेताओं की इस मांग ने एक बार फिर 22 साल पहले हुए अध्यक्ष के चुनाव की याद को ताजा कर दिया है। उस दौरान कांग्रेस की मौजूदा अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी से अब अलग हो चुके जितिन प्रसाद मैदान में थे। दोनों के बीच चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता के चलते बड़ा तनाव खड़ा हो गया था। 2000 में आखिरी बार कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव आयोजित किए गए थे। तब प्रसाद खेमे ने चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। समूह की तरफ से प्रदेश कांग्रेस कमेटी डेलीगेट्स की सूची में हेराफेरी के भी आरोप लगाए गए थे। प्रसाद के समर्थकों ने आरोप लगाए थे कि मतदाता सूची में फर्जी नाम भी शामिल हैं। वहीं, यह भी दावा किया गया था कि उन्हें इलेक्टोरल कॉलेज के सदस्यों के पते नहीं दिए गए थे, जिसके चलते उनके समर्थन जुटाने की कोशिशें प्रभावित हुई थी। खास बात है कि तब चुनाव में उतरने से पहले ही प्रसाद ने पार्टी की सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी को पत्र लिखा था, जिसमें कांग्रेस प्रतिनिधियों की सूची जारी नहीं करने को लेकर सवाल उठाए गए थे। कांग्रेस के 'जी 23' समूह में शामिल रहे तिवारी ने कहा, 'यह 28 प्रदेश कांग्रेस कमेटी और आठ क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी का चुनाव नहीं है। कोई क्यों पीसीसी के कार्यालय जाकर पता करे कि प्रतिनिधि कौन हैं? सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि ऐसा क्लब के चुनाव में भी नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'मैं आपसे (मिस्त्री से) आग्रह करता हूं कि निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये सूची प्रकाशित की जाए। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने भी तिवारी की राय का समर्थन किया और कहा कि हर चुनाव के लिए अच्छी तरह से परिभाषित निर्वाचक मंडल होना चाहिए।उन्होंने ट्वीट किया, 'हर चुनाव में सही ढंग से परिभाषित और स्पष्ट निर्वाचक मंडल होना चाहिए। निर्वाचक मंडल तय करने की प्रक्रिया भी स्पष्ट, सही ढंग से परिभाषित और पारदर्शी होनी चाहिए। अनौपचारिक निर्वाचक मंडल कोई निर्वाचक मंडल नहीं होता। चिदंबरम ने कहा, 'हर क्षेत्र में प्राइमरी होनी चाहिए, लेकिन इसके लिए परिभाषित और पारदर्शी सदस्य सूची जरूरी है। आज हम सदस्यों की संख्या का दावा करते हैं, लेकिन किसी ने इसे सत्यापित नहीं किया है

एनआईए ने 'डी गैंग' के गुंडों को पकड़ने के लिए की इनाम की घोषणा की

- छोटा शकील और दाऊद को पकड़ने वाले पर 20 लाख का इनाम

मुंबई (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम तथा उसके पंटरों को पकड़ने के लिए इनाम की घोषणा की है। एनआईए यह घोषणा की है कि दाऊद को पकड़वाने में मदद करने वाले व्यक्ति को एनआईए द्वारा 25 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। मालूम हो कि दाऊद 1993 में मुंबई में सिलसिलेवार बम धमाकों के साथ-साथ हथियारों की तस्करी, नशीली दवाओं की तस्करी, नकली मुद्रा मामले, आतंकवादी हमलों जैसे कई अपराधों में आरोपी है। दाऊद पर पाकिस्तानी एजेंसियों की मदद से आतंकी हमले करने का आरोप है. खबर के मुताबिक, एनआईए के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जांच एजेंसी ने दाऊद के भाई अनीस इब्राहिम उर्फ हाजी अनीस, दाऊद के करीबी जावेद पटेल उर्फ जावेद चिकना, शकील शेख उर्फ छोटा शकील और इब्राहिम मुश्ताक अब्दुल रजाक मेमन उर्फ टाइगर मेमन की गिरफ्तारी के लिए भी इनाम की घोषणा की है. दाऊद को पकड़ने वालों को 25 लाख रुपये, छोटा शकील को पकड़ने वालों को 20 लाख रुपये और अनीस, चिकना और मेनन को पकड़ने वालों को 15-15 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। दाऊद फिलहाल पाकिस्तान के कराची में रहता है। 1993 में सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद दाऊद को पकड़ने के लिए 2003 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा समिति द्वारा पहले ही 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर के इनाम की घोषणा की जा चुकी है। दाऊद का नाम भारत के मोस्ट वांटेड आरोपियों की लिस्ट में है. लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हफीस सईद, जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मौलाना मसूद अजहर, हिजबुल मुजाहिदीन के संस्थापक सैयद सलाहुद्दीन और उसके करीबी अब्दुल रऊफ असगर मोस्ट वांटेड आरोपियों में शामिल हैं। एनआईए ने फरवरी में दाऊद और उसके साथियों के खिलाफ नया मामला दर्ज किया था। दरअसल यह जानकारी सामने आने के बाद मामला दर्ज किया गया है कि दाऊद की डी कंपनी ने भारत में आतंकी गतिविधियों में मदद के लिए एक विशेष बल का गठन किया था।

यमुना में प्रदूषण के मामले पर प्रशासन की विफलता पर यों न दंडात्मक कार्रवाई की जाए : एनजीटी

-दिल्ली के मुय सचिव को मामले पर सफाई देने का निर्देश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में नदियों में प्रदूषण फैलाने को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) काफी सख्त है। एनजीटी ने दिल्ली के मुख्य सचिव को इस बात पर सफाई देने का निर्देश दिया है कि यमुना में प्रदूषक बहाने पर रोक लगाने और नदी के पानी की गुणवत्ता की सुरक्षा करने में प्रशासन की 'खुल्लमखुल्ला विफलता' पर क्यों न दंडात्मक कार्रवाई की जाए। नदी में प्रदूषण के नियंत्रण के लिए उठाये गये कदमों पर असंतोष प्रकट करते हुए एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.के. गोयल की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि यह चिंता की बात है कि यमुना पुनरोद्धार का स्पष्ट खाका होने के बाद भी प्रशासन उसे साफ नहीं रख पाया। एनजीटी यमुना नदी में प्रदूषण के विरुद्ध दिल्ली निवासी इशिका की याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ता ने मीडिया की इस खबर का हवाला दिया है कि यमुना नदी में प्रदूषण और बढ़ गया है तथा वहां मल संबंधी बैक्टिरिया का स्तर तीन महीने पहले की तुलना में 14 गुना अधिक हो गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले मंगलवार को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (डीपीसीसी) ने जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि इस साल गणेशोत्सव और दुर्गा पूजा के दौरान यमुना या किसी अन्य जल निकाय में मूर्तियां विसर्जित न की जाएं। डीपीसीसी ने एक आदेश में कहा है कि उल्लंघन करने पर 50,000 रुपये का जुर्माना या छह साल जेल की सजा तक हो सकती है। डीपीसीसी ने शहरी स्थानीय निकायों को मूर्ति विसर्जन के लिए आवासीय क्षेत्रों के निकट कृत्रिम तालाब बनाने के लिए भी कहा था। बोर्ड ने दिल्ली पुलिस को शहर में प्लास्टर ऑफ पेरि (पीओपी) की मूर्तियां ले जाने वाले वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने का भी निर्देश दिया था। नगर निकायों से कहा गया है कि वे सभी अंचल कार्यालयों को अवैध मूर्ति निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश जारी करें। डीपीसीसी ने कहा कि मूर्ति विसर्जन गंभीर समस्या पैदा करता है क्योंकि उन्हें बनाने में इस्तेमाल होने वाले जहरीले रसायन पानी में मिल जाते हैं। इस साल 31 अगस्त को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी और 9 सितंबर को मूर्ति विसर्जन होगा। हालांकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 2015 में यमुना में मूर्ति विसर्जन पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन दिल्ली सरकार ने 2019 में इस संबंध में निर्देश जारी किए थे।

तीन दिवसीय दौरे पर भारत आएंगी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी से करेंगी मुलाकात

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 3 दिनों की भारत यात्रा पर आएंगी। उनका यह दौरा 5 सितंबर से लेकर 8 सितंबर के बीच होगा। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी और द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा भी करेंगी। इस बात की जानकारी भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई है। साथ ही साथ यह भी कहा गया है कि शेख हसीना अजमेर का भी दौरा कर सकती हैं। शेख हसीना की यह यात्रा आधिकारिक यात्रा होगी। जानकारी के मुताबिक शेख हसीना के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी भेंट वार्ता करेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के भी अजमेर जाने की संभावना है। हाल के वर्षों में, दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय जुड़ाव कायम रखा है। शेख हसीना की आगामी यात्रा से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे।

पता होता राजनीति इतनी गंदी होगी तो इसमें कभी नहीं आती : ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर केंद्रीय एजेंसियों पर सवाल उठा दिए हैं। खास बात है कि प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से अभिषेक बनर्जी को समन भेजा गया है। उन्हें कोयला घोटाला मामले में पूछताछ के लिए तलब किया गया है। सीएम बनर्जी ने एजेंसियों की तरफ से मिल रहे समन को 'खुली हिंसा' बताया है। हाल ही में उन्होंने 2024 चुनाव को अपनी 'आखिरी जंग' बताया था। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो बनर्जी ने कहा, 'एजेंसी के समन केवल प्रतिशोध की राजनीति नहीं है, यह खुली हिंसा है... अगर मुझे पता होता कि राजनीति इतनी गंदी हो जाएगी, तो मैं कभी राजनीति में नहीं आती।' उन्होंने दोबारा आरोप लगाए कि पशु और कोयला तस्करी के मुद्दे केंद्रीय गृहमंत्रालय और केंद्र सरकार की जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा, 'आप हर समय सभी को बेवकूफ नहीं बना सकते... जिस तरह आप मीडिया में हमें बगैर सबूत के बदनाम कर रहे हैं, जिस तरह की भाषा का आप इस्तेमाल करते हैं और 'सूत्रों' का हवाला देते हैं... आपको सोचना चाहिए कि अगर आपके साथ भी ऐसा ही किया जाए, तो क्या होगा।' इधर, टीएमसी के नेताओं का कहना है कि ईडी और सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानी सीबीआई पार्टी कार्यक्रमों के आसपास उनके खिलाफ काम कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की तरफ से आरोप लगाए जा रहे हैं कि पशु तस्करी और कोयला घोटाला से मिला पैसा कोलकाता के कालीघाट जाता है। खास बात है कि यहां ममता बनर्जी रहती हैं और जगह काली मंदिर के लिए मशहूर है।

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद कश्मीर ही नहीं हरियाणा और हिमाचल में भी घिरी कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वरिष्ठ कश्मीरी नेता गुलाम नबी आजाद ने मोहभंग होने के बाद कांग्रेस से बोरिया बिस्तर समेट इस्तीफा देने के बाद नई पार्टी बनाने का ऐलान किया है और वह जम्मू-कश्मीर में अब तक सैकड़ों नेताओं को तोड़ चुके हैं। इसके अलावा आज 5,000 कार्यकर्ता भी गुलाम नबी आजाद के समर्थन में कांग्रेस छोड़ने वाले हैं। लेकिन कांग्रेस का यह नुकसान यहीं थमता नहीं दिख रहा है बल्कि इसकी आग हिमाचल और हरियाणा तक फैल रही है। एक तरफ गुलाम नबी आजाद से भूपिंदर सिंह हुड्डा की मुलाकात से हरियाणा कांग्रेस में बवाल मचा है तो वहीं हिमाचल में भी आनंद शर्मा के 'आजाद बोल' के साइडइफेक्ट्स देखने को मिल रहे हैं।

इसकी बानगी बुधवार को भी देखने को मिली, जब कांग्रेस ने 10 गारंटियों का ऐलान किया, जिसमें पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करना भी शामिल है। कांग्रेस का चुनावी मिशन के दौरान अब तक का यह सबसे बड़ा इवेंट था, लेकिन आनंद शर्मा इससे नदारद रहे। वहीं राहुल गांधी ने कांग्रेस के ऐलानों की तारीफ की। इससे पहले आनंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की इलेक्शन कैंपेन कमिटी के चेयरमैन के पद से भी इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में उनकी गैरहाजिरी यह बताती है कि उनकी नाराजगी कायम है। भले ही आनंद शर्मा का हिमाचल प्रदेश में बहुत ज्यादा जनाधार नहीं है, लेकिन इस तरह की फूट पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर असर डालेगी।

इसके अलावा हरियाणा में भी गुलाम नबी आजाद के इफेक्ट से महाभारत छिड़ गई है। सोमवार को गुलाम नबी आजाद से मिलने वाले नेताओं में आनंद शर्मा, भूपिंदर सिंह हुड्डा और पृथ्वीराज चव्हाण शामिल थे। अब हरियाणा की सीनियर नेता कुमारी शैलजा ने भूपिंदर सिंह हुड्डा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ हाईकमान को ऐक्शन लेते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करना चाहिए। साफ है कि हरियाणा में आने वाले दिनों में कांग्रेस में उठापटक दिख सकती है। यह संकट ऐसे वक्त में पैदा हुआ है, जब हाईकमान ने भूपिंदर सिंह हुड्डा को हरियाणा में कमान सौंप दी है। इसके बाद भी उनकी गुलाम नबी आजाद से नजदीकी खटकने वाली है।

बीते दिनों ही हुड्डा के करीबी उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर हाईकमान ने सोचा था कि हरियाणा में अब टकराव थम जाएगा। इसके बाद भी हुड्डा के रवैये ने पार्टी के सामने सवाल खड़ा किया है। हुड्डा दो बार हरियाणा के सीएम रहे हैं और जाट बिरादरी से आते हैं। उनका अच्छा जनाधार माना जाता है, लेकिन अब उनकी बगावत कांग्रेस को संकट में डाल सकती है। इसकी एक वजह यह भी है कि वोटरों को आकर्षित करने वाले चेहरों का भी हरियाणा में कांग्रेस के पास अभाव है। इस तरह गुलाम नबी आजाद का इफेक्ट जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि हरियाणा और हिमाचल में भी कांग्रेस के लिए परेशानी खड़ी कर रहा है।

कांग्रेस के 'भारत जोड़ों' के मुकाबले आप का होगा 'मेक इंडिया नंबर 1' अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस 7 सितंबर से 'भारत जोड़ो' यात्रा का आगाज करने जा रही है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने भी 7 सितंबर से ही 'मेक इंडिया नंबर वन' अभियान की शुरुआत करने का फैसला किया है। कहा जा रहा है कि आप राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस की जगह लेने की तैयारी कर रही है। वहीं, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच यात्रा अहम साबित हो सकती है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हरियाणा से 7 सितंबर से अखिल भारतीय अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। इसके जरिए आप पार्टी संगठन विस्तार और 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। खास बात है कि आम चुनाव से पहले देश के 7 अहम राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। केजरीवाल 'मेकिंग इंडिया नंबर 1' के जरिए राज्यों में रैलियां, युवाओं के साथ बैठकें और तिरंगा यात्राएं करेंगे। इसकी शुरुआत हरियाणा में 7-8 अक्टूबर को होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम से होगी।

गुजरात और हिमाचल प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। अब सवाल है कि इसके बाद भी आप ने हरियाणा क्यों चुना? दरअसल, पंजाब में मिली ऐतिहासिक जीत का फायदा आप हरियाणा में उठाने की कोशिश कर रही है। इस कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अरविंद केजरीवाल भी उनके साथ होंगे। खबर है कि वह आदमपुर और हिसार में रैलियों के जरिए अभियान की शुरुआत करेंगे। चेन्नई के पास श्रीपेरंबदूर स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के बाद राहुल 7 सितंबर को कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत करेंगे। पदयात्री कन्याकुमारी से तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, नीलांबर, मैसूर, बेलारी, रायचूर, विकाराबाद, नांदेड़, जलगांव, इंदौर, कोटा, दौसा, अलवर, बुलंदशहर, दिल्ली, अंबाला, जम्मू जाएंगे और यात्रा का अंत कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में होगा।

साल 2013 में केजरीवाल ने दिल्ली की तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ चुनाव लड़ा था। तब दीक्षित ने कहा था, 'कौन है अरविंद केजरीवाल? क्या है आप। क्या यह ऐसी पार्टी है, जिसकी तुलना कांग्रेस या भारतीय जनता पार्टी से की जा सके।' खास बात है कि तब केजरीवाल ने न केवल कांग्रेस नेता को हराया, बल्कि उनकी पार्टी ने कांग्रेस के हाथों से दिल्ली भी छीन लिया। यही हाल पंजाब विधानसभा में भी हुआ। केजरीवाल ने तब पंजाब के मुख्यमंत्री रहे चरणजीत सिंह चन्नी दोनों सीटों से हार रहे हैं। नतीजा भी यही हुआ और चन्नी अपने गढ़ चमकौर साहिब और भदौर सीट से हार गए। खास बात है कि दोनों ही सीटों पर केजरीवाल की पार्टी के उम्मीदवार ने उन्हें हराया। वहीं, चुनाव का अंतिम नतीजा भी यही हुआ कि कांग्रेस के हाथों से पंजाब भी निकल गया और आप ने शानदार 92 सीटों पर जीत दर्ज की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस का 'आप' पर कटाक्ष- बारिश शुरूहोने पर ही मेंढक आते हैं और खत्म होते चले जाते हैं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी, गुजरात कांग्रेस प्रभारी रघु शर्मा ने आम आदमी पार्टी (आप) कटाक्ष करते हुए कहा कि बारिश शुरू होते ही मेंढक आ जाते हैं और बारिश के खत्म होते ही गायब हो जाते हैं। ठीक उसी तरह नए नए राजनीतिक दल चुनाव आते सामने आते हैं और खत्म होने के बाद दिखाई नहीं देते। नवसारी में पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए रघु शर्मा ने कहा कि गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव को लेकर कांग्रेस रिपीट या नो रिपीट थियरी पर सर्वे कर रही है। आगामी चुनाव में जीत सके ऐसे उम्मीदवार पर ही कांग्रेस दांव लगाएगी। दक्षिण गुजरात में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन कर पिछली बार के मुकाबले इस बार अधिक सीटें जीतेगी। सरकार बनाने के लिए भाजपा द्वारा विधायकों की खरीद-फरोख्त पर रघु शर्मा ने कड़े प्रहार किए, साथ ही कहा कि कांग्रेस विधायकों ने जीवन में इतने रुपए नहीं देखे होंगे, ऐसे कहकर उन्होंने अपरोक्ष तरीके से पार्टी के विधायक बिकते होने की बात का समर्थन कर दिया। साथ ही कानून और न्याय की बात कर खरीदने और बेचनेवाले दोनों को दोषी ठहराते हुए खुद का बचाव करने का भी प्रयास किया। रघु शर्मा ने नवसारी की सर्वोदय सोसायटी के तोड़े गए मंदिर को लेकर भी भाजपा सरकार प्रहार किए और दोबारा मंदिर बनाने की मांग की। बता दें कि नवसारी की सर्वोदय सोसायटी में गैरकानूनी तरीके से बने मंदिर को स्थानीय प्रशासन ने हटा दिया था।

मंदिर हटाए जाने का मुद्दा राजनीतिक रंग ले चुका है। जिसे लेकर कांग्रेस और आप अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने क प्रयास कर रही हैं।

भूकंप के झटके से राजकोट ग्रामीण लोगों में दहशत, केन्द्र बिंदू गोंडल से 10 किमी दूर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, राजकोट के ग्रामीण इलाकों में भूकंप का झटका महसूस किया गया है। 3.5 की तीव्रता के भूकंप से लोगों में दहशत फैल गई। सुबह 10.40 बजे के आसपास भूकंप का झटका महसूस होने पर लोग अपने घरों से बाहर की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीण इलाकों में भूकंप के झटके से लोगों में दहशत फैल गई। राजकोट जिले के वीरपुर समेत ग्रामीण इलाकों में भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसका केन्द्र बिंदू गोंडल से 14 किलोमीटर दूर था।

क्राइम ब्रांच ने 18 लाख के एमडी ड्रग्स के साथ एक शख्स को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में पिछले काफी समय से ड्रग्स पकड़े जाने का सिलसिला जारी है। ऐसे में एक बार फिर अहमदाबाद में एमडी ड्रग्स बरामद किया गया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 18 लाख रुपए कीमत के 890 ग्राम ड्रग्स बरामद कर एक शख्स को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच ने शाहरुख पठान को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके पास से 890 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली है। जिसकी बाजार कीमत 18 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद से 28 लाख रुपए की ड्रग्स के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया था। पकड़े आरोपियों से पूछताछ में एक आरोपी पुलिस को मुखबिर रह चुका है। लॉकडाउन में कामधंधा बंद हो जाने पर आरोपी ड्रग्स का काला कारोबार करने लगे थे।

पीएम मोदी फिर एक बार 10 सितंबर को आएंगे गुजरात, मंत्री परिषद का करेंगे उदघाटन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर एक बार 10 सितंबर को गुजरात दौरे पर आएंगे। अपने गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी विभिन्न राज्यों के विज्ञान एवं टेक्नोलोजी मंत्री परिषद का उदघाटन करेंगे। इस परिषद में 28 राज्यों के विज्ञान एवं टेक्नोलोजी मंत्री समेत 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासक शामिल होंगे। इसके अलावा 100 से ज्यादा स्टार्टअप्स और उद्योगों के सीईओ के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

सुरत मनपा के अधिकारी वास्तु नाम पर नेताओं की तरह ही कर रहे करोड़ों रुपये की बर्बादी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नगर पालिका में 7 हजार करोड़ के बजट से कई अधिकारी वास्तु मंडलों में अपने कक्षों के जीर्णोद्धार पर करोड़ों खर्च कर रहे हैं। नेताओं की बीमारी जैसा कि अधिकारियों की लग रही है, यह मुद्दा फिलहाल नगर पालिका में चर्चा में है। उप अभियंता, अपर नगर अभियंता, उपायुक्त नगर अभियंता समेत अधिकतर उच्च अधिकारी वास्तु आधारित जीर्णोद्धार कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, अधिकारियों ने नवीनीकरण के बाद 5 करोड़ से अधिक धूम्रपान किया है और यह प्रवृत्ति आज भी जारी है।

जनता के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग करते हुए शासकों ने भी अपने-अपने चैंबरों को कॉरपोरेट ऑफिस जैसा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. गंभीर बात यह है कि कई अधिकारियों द्वारा अपने कक्षों में प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर, आंतरिक साज-सज्जा में सुधार के लिए लोगों के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। वास्तु में विश्वास रखने वाले कुछ नए अधिकारियों ने कक्षों को कॉर्पोरेट कार्यालयों की तरह ही शानदार बना दिया है। खर्च का आंकड़ा करीब 5

करोड़ रुपए है,ऐसा कार्यालय नगर निगम आयुक्तों के आने-जाने के बावजूद उनका कार्यालय नहीं बन पाया है। पिछले कुछ वर्षों पर नजर डालें तो पता चलता है कि नगर पालिका के आवास खाते, खाते के खाते में इन खर्चों का आंकड़ा करीब 5 करोड़ रुपये है। यह तो केवल प्रधान कार्यालय मुगलसराय का मामला है, लेकिन सभी अंचलों की जांच की जाए तो कार्यपालक अभियंता, सहायक. आयुक्तों और अन्य अधिकारियों के कार्यालयों पर भी भारी खर्च किया गया है। नये प्रशासन की तैयारी के बावजूद बेधड़क प्राहा नगर पालिका के नये प्रशासनिक भवन को 36 माह में निविदा शर्तों के अनुसार तैयार करने की योजना है . समुलागी प्रधान कार्यालय आने वाले वर्षों में नए प्रशासनिक भवन में स्थानांतरित हो जाएगा।

इस प्रशासनिक भवन पर 1080 करोड़ खर्च किए जाएंगे। फिर भी कक्ष अभी भी नियंत्रण से बाहर हो रहे हैं। जिसे देखने या रोकने वाला कोई नहीं है।

इन अधिकारियों ने स्थापत्य की आड़ में अपने कक्षों को चमकाया

***सिटी इंजीनियर आशीष दुबे के चेंबर में इंटीरियर समेत कई बदलाव किए गए

***एडिशनल सिटी इजनेर नगर अभियंता डी.एम. पटेल के सेवानिवृत्त होने के बाद, जीएएस धवल पंड्या के कक्ष, जिन्होंने उनकी जगह ली थी, का भी जीर्णोद्धार किया गया।

***डे कमिश्नर स्वाति देसाई ने पूर्व दिशा में रिटायर्ड सीवाई भट्ट ने जो चेंबर सिटिंग अरेंजमेंट किया था उसे हटाकर उत्तर दिशा में कर दिया है। जैसे ही वे सचिव बने, सचिवीय विभाग को पूरे कॉर्पोरेट कार्यालय को कवर करने का एहसास हुआ।

***डे कमिश्नर कमलेश नायक ने पूर्व डीओपी जीवन पटेल के उत्तरमुखी कक्ष का जीर्णोद्धार कर पूर्वमुखी सीट बना दिया है।

***एडिशनल सिटी इजनेर नगर अभियंता जतिन देसाई के कक्ष का जीर्णोद्धार किया गया।

***एडिशनल सिटी इजनेर नगर अभियंता डी.सी. भगवकर के कार्यालय के दरवाजे सहित इंटीरियर को बदल दिया गया है।

***डे कमिश्नर किंखबवाला ने दरवाजों सहित इंटीरियर को बदल दिया।

***डे कमिश्नर दूसरी मंजिल पर धर्मेश मिस्त्री के कक्ष का नवीनीकरण इंटीरियर के साथ-साथ अन्य विभागों के कक्षों, अंचल के उच्चाधिकारियों ने किया है।

यहां तक कि पदाधिकारी भी खर्च करने,अपने कक्षों के नवीनीकरण, आंतरिक सजावट, एलईडी लाइटिंग, बाथरूम-शौचालय सहित फर्नीचर आदि में पीछे नहीं हैं। इससे पहले डे मेयर नीरव शाह के कक्ष के जीर्णोद्धार पर चर्चा हुई। हाल ही में सत्ताधारी दल के नेता अमित सिंह राजपूत ने अपने कार्यालय को एक कॉर्पोरेट कार्यालय की तरह बना लिया और 40,000 की कुर्सी लेने के लिए तैयार हो गए। स्थायी अध्यक्ष परेश पटेल ने बाथरूम-शौचालय को हटा दिया और पूर्व कक्ष का विस्तार किया और एक नया चिल्लो बनाया।

सूरत में देर रात अज्ञात लोगों ने युवक को 7 से 8 बार चाकू मारा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत इलाके में देर रात एक जानलेवा खेल खेला गया. निजी रंजिश में अज्ञात इसामो ने केतन रमेश हेडौ को सात से आठ बार चप्पू से मारा। इसलिए केतन को

इलाज के लिए सूरत के सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या की घटना में आगे की जांच की है।

केतन के पिता रमेश, जो 6 महीने पहले कार्यरत थे, ने कहा, "मेरे बेटे के दोस्त का फोन आया। उन्होंने कहा, केतन पर हमला हुआ है और उनकी तबीयत खराब है।

इसलिए मैं जल्दी से सिविल अस्पताल पहुंचा। जहां पता चला, मेरे बेटे को 108 एम्बुलेंस में लाया गया और शरीर पर चोट के निशान पाए गए।

अस्पताल पहुंचने के कुछ ही पलों में मेरे बेटे की सामान्य इलाज के बाद मौत हो गई। मेरे बेटे को एयर इंडिया में शामिल हुए अभी 6 महीने ही हुए थे।